हरिभूमि
रायपुर भूमि

वीडियो बनाने वाला ओडिशा का ट्रक चालक

मवेशी तस्करों के मारे जाने की खबर पढ़ने के बाद ट्रक चालक ने अपने वाट्सएप ग्रुप में वीडियो शेयर किया

पशु तस्करी के शक में मॉब लिंचिंग, दो की मौत, एक गंभीर

ड्राइवर ने कहा- मैंने वीडियो बनाया

आरंग में मवेशी कारोबारियों के पुल से कूदने का इन दिनों सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो की प्रासांगिकता को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हरिभूमि की टीम ने मामले की पड़ताल करते हुए वीडियो बनाने वाले के बारे में जानकारी जुटाकर उससे संपर्क किया, तो ट्रक ड्राइवर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हां उसने वीडियो बनाया है। वह ओडिशा, झारसुगड़ा का ट्रक ड्राइवर है।

मवेशी कारोबारियों की मौत का वीडियो आया सामने, ट्रक ड्राइवर ने शूट कर ग्रुप में डाला था, थाने तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आरंग थाना क्षेत्र में डेढ़ माह पूर्व उत्तरप्रदेश के तीन मवेशी कारोबारारियों के नदी मोड़ के पुल से कूदने की घटना को लेकर सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है। सवाल उठाए जा रहा था कि आखिर वीडियो किसने बनाया है? हरिभूमि ने वीडियो बनाने वाले की पड़ताल कर उससे बात की, तो वह ओडिशा का ट्रक ड्राइवर निकला।

गौरतलब है कि सात जून को मवेशी कारोबारी उत्तरप्रदेश, सहारनपुर निवासी सद्दाम कुरैशी, चांद मियां तथा गुड्डू खां की पुल से गिरकर मौत की घटना सामने आई थी। सद्दाम की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई थी।

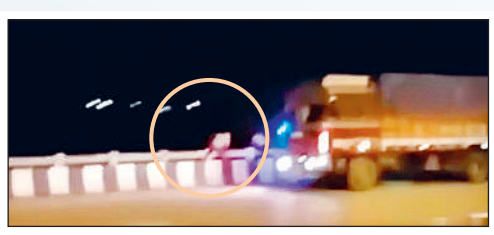

ड्राइवर ने कहा- इसलिए वीडियो बनाया

हरिभूमि की टीम ने ड्राइवर से पूछा कि वह ट्रक चला रहा था, तो उसे कैसे वीडियो बनाने का ख्याल आया। इस पर ट्रक ड्राइवर ने कहा कि वह रायपुर से सरायपाली की ओर जा रहा था, इस दौरान एक ट्रक रांग साइड में तेजी से रायपुर की तरफ आ रहा था। उसे ट्रक को लेकर आशंका हुई। इसके बाद वह अपने मोबाइल से वीडियो बनाने लगा। ट्रक ड्राइवर के मुताबिक उसे नहीं पता था कि ट्रक में मवेशी कारोबारी हैं या कोई अन्य। उसका ▶▶ शेष पेज 13 पर

पहचान कर ली है

आरंग की घटना में वीडियो बनाने वाले की पहचान कर ली गई है, वीडियो बनाने वाले ने पेशे से अपने आपको ड्राइवर बताया है। उसे पूछताछ के लिए तलब किया गया है।

- कीर्तन राठौर, एएसपी ग्रामीण

खबर संक्षेप

लावारिस मिला बैग कोतवाली पुलिस ने लौटाया

रायपुर। कोतवाली पुलिस ने लावारिस हालत में मिले बैग के मालिक की खोजकर उसे वापस लौटा दिया। 11 दिन पूर्व 19 जुलाई को मालवीय रोड पर लावारिस हालत में एक काले रंग का बैग मिला। बैग में मार्कशीट, एटीएम सहित जरूरी दस्तावेज के साथ नकदी 16 सौ रुपए थे। दस्तावेज में दिए गए नंबर पर पुलिस ने संपर्क किया तो वह बैग सुकमा, गीदम निवासी दिव्या ध्रुव का होना पाया गया। दिव्या ने पुलिस को बताया कि रास्ते में उसका बैग गिर गया था। काफी तालाश करने के बाद बैग नहीं मिला तो वह वापस गीदम लौट रही थी। पुलिस ने युवती को जब कॉल किया तो वह ट्रेन में थी।

ट्रेडिंग कंपनी के संचालक से ठगी

रायपुर। फर्नेश ऑयल बिक्री के नाम पर एक ट्रेडिंग कंपनी के संचालक ने एक अन्य कारोबारी के खिलाफ धरसींवा थाना तथा एसएसपी कार्यालय में 13 लाख रुपए ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। मोहम्मद इब्राहिम ने राजू उर्फ लखवीर सिंग सोहेल के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। इब्राहिम ने शिकायत दर्ज कराई कि वह फर्नेश ऑयल का काम करता है। उसने राजू ने सात जुलाई से ऑयल खरीदा था, घटिया क्वालिटी का माल भेजने पर उसने इसकी शिकायत राजू से की। इब्राहिम ने आरोप लगाया कि राजू ने ऑयल ट्रक को बगैर बताए उठवा लिया। बदले में दूसरा ऑयल ट्रक नहीं भेजकर ठगी की है।

सूने मकान में धावा एक लाख की चोरी

रायपुर। मुजगहन थाने में एक महिला ने अज्ञात चोर के खिलाफ उसके सूने मकान से नकदी 24 हजार रुपए समेत एक लाख रुपए से ज्यादा कीमत की सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी अनिता दुबे ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। अनिता ने पुलिस को बताया कि वह 8 जुलाई को गरियाबंद गई थी। 28 जुलाई को वापस आने पर मेनगेट का ताला टूटा मिला।

दिल्ली में कोचिंग सेंटर में अव्यवस्था के कारण गई तीन छात्रों की जान

कहीं पार्किंग में ही कोचिंग तो कहीं अहाते में हो रही पढ़ाई, सीढ़ियां इतनी संकरी कि चलना मुश्किल

रुचि वर्मा ▶▶ रायपुर

हरिभूमि लाइव

दिल्ली स्थित एक कोचिंग सेंटर में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे देश का हिलाकर रख दिया है। दिल्ली के कोचिंग सेंटर की लाइब्रेरी बेसमेंट में थी, जहां पानी भर जाने और बायोमैट्रिक गेट के बंद हो जाने के कारण तीन छात्र फंस गए और उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद हरिभूमि ने शहर के कोचिंग सेंटर और वहां की सुविधाओं का जायजा लिया। राजधानी में भी स्थिति विशेष रूप से अच्छी नहीं है। बड़े कोचिंग संस्थानों को छोड़ दें तो छोटे कोचिंग संस्थानों में नाममात्र की ही सुविधाएं नजर आईं। शहर में छोटे आकार वाले सबसे अधिक कोचिंग सेंटर टैगोर नगर, बैरन बाजार, अनुपम नगर, सुंदर नगर ▶▶ शेष पेज 13 पर

रायपुर में भी स्थिति विशेष अच्छी नहीं, बड़े संस्थानों को छोड़कर शेष में सुविधाओं का अभाव

केस 1

टैगोर स्थित एक कोचिंग इंस्टिट्यूट में सीए फाउंडेशन के परिणाम आने से पहले नए बैच के लिए प्रवेश चल रहे थे। कोचिंग परिसर की सीढ़ियां इतनी संकरी थी कि यदि आग लगी अथवा कोई हादसा हुआ तो एक साथ सभी का बाहर निकलना मुश्किल है।

केस 2

केस-2. बैरन बाजार स्थित एक कोचिंग सेंटर में छात्रों के लिए पार्किंग की पृथक व्यवस्था नहीं थी। घर को ही कोचिंग सेंटर का रूप दे दिया गया था। एक कोने में वाहन और उससे सटे कक्ष में पढ़ाई हो रही थी।

केस 3

केस-3. कटोरा तालाब स्थित एक कोचिंग सेंटर का सेंटर आवासीय परिसर में ही किया जा रहा था। ऊपर लोगों के रहने आवास बने थे और नीचे अहातेनुमा कक्ष में पढ़ाई हो रही थी।

महापौर ने एसएसपी से कहा

झूठी एफआईआर शून्य करें वरना सुसाइड कर लूंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस से बदसलूकी के आरोप में महापौर एजाज ढेबर के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस मामले में महापौर ने रायपुर एसएसपी संतोष कुमार सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उन पर लगाई गई एफआईआर शून्य करने की मांग की और ये भी कहा, इस घटना से वे काफी आहत हैं, 3 दिन से सोये तक नहीं। आईपीएस संतोष कुमार सिंह ने कहा, कानून अपने हिसाब से काम करेगा।

- चिट्ठी लिखकर जाउंगा, आप होंगे जवाबदार
- महापौर एजाज ढेबर ने एसएसपी से की मुलाकात

महापौर एजाज ढेबर ने रायपुर एसएसपी को आत्महत्या की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा वाटर कैनन और लाठियां सहित अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिसके कारण उन्हें बीच-बचाव को आना पड़ा और उन्हें भी चोटें आईं, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती भी होना पड़ा। ▶▶ शेष पेज 13 पर

किराए पर बैंक खाता लेकर शेयर ट्रेडिंग की आड़ में करोड़ों की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सोशल मीडिया के माध्यम से गूगल रिव्यू तथा शेयर ट्रेडिंग करने वालों की सूची में छत्तीसगढ़ के भी शातिर शामिल हो गए हैं। रेंज साइबर पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग की आड़ में करोड़ों की ठगी करने के आरोप में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर तथा उसे किराए पर अकाउंट उपलब्ध कराने वाले को गिरफ्तार किया है। जालसाजों पर आरोप है कि उन लोगों ने एक दर्जन से ज्यादा हिंदी भाषी राज्यों में ठगी की घटना को अंजाम दिया है। साइबर पुलिस ने जालसाजों के बैंक में जमा आठ लाख रुपए होल्ड कराए हैं।

- साफ्टवेयर इंजीनियर समेत दो अरेस्ट

पुलिस के मुताबिक शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने के आरोप में दुर्ग, भिलाई निवासी पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर विकास चंद्राकर तथा ▶▶ शेष पेज 13 पर

विकास के खिलाफ 80 केस दर्ज

पुलिस ने विकास के कब्जे से जो 10 बैंक अकाउंट जब्त किए हैं, उस अकाउंट नंबर के हिसाब से पुलिस ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जानकारी जुटाई है। पता चला कि विकास के जब्त अकाउंट नंबर से अलग-अलग राज्यों में 80 ऑनलाइन ठगी की रिपोर्ट दर्ज है। विकास के अन्य साथियों की पुलिस पतासाजी करने की बात कह रही है।

किराए के अकाउंट से जालसाजी

पुलिस के अनुसार आशीष, विकास के लिए किराए का अकाउंट मैनेज करता था। अकाउंट की व्यवस्था करने आशीष लोगों को रेलवे तथा एयर टिकट बुक करने के नाम से अकाउंट किराए पर लेता था। इसके बदले वह उन लोगों को हर माह पांच से सात हजार रुपए भुगतान करता था। अकाउंट किराए पर लेने के लिए आशीष लोगों का बैंक में अकाउंट खुलवाता था और उन लोगों के एटीएम, चेक बुक तथा पासबुक अपने कब्जे में ले लेता था।

ठगी की राशि में मिलता था कमीशन

साइबर पुलिस के अनुसार अकाउंट उपलब्ध कराने वाले आशीष को विकास ठगी में कमीशन की राशि देता था। पुलिस को जानकारी मिली है कि रायपुर में जिस चिकित्सक के साथ विकास ने ठगी की है, उस ठगी की रकम का 25 लाख रुपए आशीष द्वारा अकाउंट में ट्रांसफर कराए गए थे। इसके एवज में विकास ने आशीष को कमीशन के तौर पर पौने चार लाख रुपए दिया है।

कई हेल्थ सेंटरों में चिकित्सकों की कमी मगर इनका नहीं हुआ ट्रांसफर

नहीं हुआ तबादला, ज्वाइनिंग के सालों बाद भी एक ही जगह जमे हैं 749 डाक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नियुक्ति आदेश के आधार पर ज्वाइनिंग लेने वाले राज्य के 749 डाक्टर एक ही स्थानों पर सालों से ड्यूटी कर रहे हैं। कई जिला अस्पताल और चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सकों की कमी की बाते सामने आई, मगर इनका तबादला नहीं हुआ। तबादला नहीं होने की वजह तगड़ी सेटिंग अथवा प्राइवेट प्रेक्टिस का मोह माना जा रहा है। राज्य में चिकित्सा विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारी के करीब डेढ़ हजार पद खाली ▶▶ शेष पेज 13 पर

- तगड़ी सेटिंग या जोरदार तरीके से चलने वाले प्राइवेट प्रेक्टिस का मोह

20 फीसदी एनपीए एलाउंस

जानकारी के अनुसार सरकारी अस्पतालों में सेवा देने के बाद निजी अस्पताल नहीं जाने वाले डाक्टरों को एनपीए एलाउंस देने का सिस्टम है। यह भत्ता बेसिक सैलेरी का बीस प्रतिशत होता है। यह राशि नहीं लेने वाले डाक्टरों को अपनी ड्यूटी के बाद तीन घंटे प्राइवेट प्रेक्टिस करने की छूट है, मगर शिकायत यह मिलती रहती है कि डाक्टर सरकारी अस्पताल के बजाए अपने निजी हास्पटिल में ज्यादा सक्रिय दिखाई देते हैं।

131 की प्राइवेट प्रेक्टिस

सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन साढ़े सात सौ डाक्टरों में केवल 131 डाक्टर प्राइवेट प्रेक्टिस करते हैं। आंकड़े चौंकाने वाले हो सकते हैं, क्योंकि सरकारी अस्पतालों, हेल्थ सेंटरों में काम करने वाले 80 फीसदी से ज्यादा चिकित्सक अपनी सरकारी ड्यूटी के बाद मरीजों का इलाज निजी अस्पताल अथवा अपनी क्लीनिक के माध्यम से करते हैं।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

मच्छर मारने ग्लोबल टेंडर तीन एजेंसियों ने ली रुचि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

70 वार्डों में मच्छरों का खात्मा करने अब बाहर की एजेंसी आएगी। निगम ने इसके लिए ग्लोबल टेंडर किया है, जिसमें नागपुर, इंदौर सहित एक अन्य स्थान की एजेंसी ने दिलचस्पी दिखाई है। एक दो दिन में टेंडर खुलेगा, इसके बाद चयनित एजेंसी को शुआत में ▶▶ शेष पेज 13 पर

जल्द खुलेगा टेंडर

शहर के 70 वार्डों में मच्छर उन्मूलन के लिए जल्द टेंडर खुलेगा। 3 माह की समय अवधि के लिए शुरुआत में यह अनुबंध रहेगा। एजेंसी को 20 फीसदी भुगतान बाद में किया जायेगा।

- डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, स्वास्थ अधिकारी, नगर निगम रायपुर

1/2 सत्रीय (सत्र 2024-2025) पाठ्यक्रमों हेतु विशेष प्रकाशन

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा प्रमाणित विभिन्न-मेडिकल/ नर्सिंग/ पैरामेडिकल के डिप्लोमा एवं पोस्ट डिप्लोमा कोर्सेस में चयन हेतु

आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2024	कुल सीटें प्रति केन्द्र/30 सीट/प्रति कोर्स	हॉस्टल सुविधा उपलब्ध	शिक्षा लोन उपलब्ध (विद्या कौशल द्वारा)*

पैरामेडिकल, नर्सिंग एवं फार्मा

MPHW पोस्टडिप्लोमा इन मल्टीपरपस हेल्थ वर्कर	DMLT डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन	डिप्लोमा इन डाइलिसिस टेक्निक्स	पोस्ट डिप्लोमा इन इमरजेंसी मेडिकल टेक्निक
पोस्ट डिप्लोमा इन हॉस्पिटल मेनेजमेंट	नर्सिंग सुपरवाइजर	डिप्लोमा इन एनेस्थिसिया टेक्निकस	वार्डबॉय
पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन फिजिशियन असिस्टेंट	हेल्थ इंस्पेक्टर/ड्रेसर	डिप्लोमा इन यूनानी थैरेपी असिस्टेंट	डिप्लोमा इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन
डिप्लोमा एनेस्थिसिया/डाइलिसिस मेडिकल इक्यूपमेंट टेक्निकस	पोस्ट डिप्लोमा इन ओ. टी. टेक्निकस	डिप्लोमा इन आयुर्वेद पंचकर्म	डिप्लोमा इन सेनेटरी हेल्थ इंस्पेक्टर

उपलब्ध एवं प्रस्तावित्* प्रशिक्षण केन्द्रों की सूची

रायपुर, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव*, महासमुन्द, सरायपाली, बलौदा बाजार *, धमतरी, जगदलपुर*, अम्बिकापुर, रायगढ़*, कोरबा, बेमेतरा

विद्यार्थी जिनकी परीक्षाओं के रिजल्ट / नतीजे न आए हों, वे भी आवेदन कर सकते हैं। काउंसलिंग के समय मार्कशीट / रिजल्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

विकलांग सैनिक स्व. संग्राम सेनानी वर्ग के उम्मीदवार हेतु निर्धारित सीट आरक्षित है!

नोट:- आवेदक निम्न दिये आवेदन पत्रों के प्रारूप को कम्प्यूटर द्वारा टाइप कराकर अपना पूर्ण विवरण अपने हाथो से भरें, साथ ही 25 रू. का डाक टिकट लगा हुआ 10x4 का सफेद लिफाफा में अपना स्वंय का पता स्पष्ट लिखकर रजिस्ट्री द्वारा कार्यालय के निम्न पते पर भेजें!

आवेदन पोस्ट द्वारा नियत तिथि तक ही स्वीकार किया जाएगा! चयनित उम्मीदवार को कॉल लेटर द्वारा काउंसलिंग हेतु सूचित किया जावेगा!

आवेदन पत्र जमा करने कि अंतिम तिथि दिनांक 20 अगस्त 2024 तक!

प्रति
निदेशक
लीलास फाउंडेशन फॉर एजुकेशन एंड हेल्थ
राष्ट्रीय कौशल विकास निगम निवेश संस्थान
6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय,
रायपुर, (छ ग) पिन : 492010

स्वप्रमाणित पासपोर्ट साइज कलर फोटो

महोदय,

.... पाठ्यक्रम का नाम में चयन हेतु मै अपना आवेदन प्रस्तुत कर रहा/रही हूं!

1. आवेदक का नाम ....
2. पिता /पति का नाम..........
3. जन्म तिथि अंकों में..........
4. अनु. जाति जन जाति पिछड़ा वर्ग..........
5. पत्र व्यवहार का पता पिन कोड सहित.......... मो. न. 1..........2..........
6. केन्द्र का नाम जहां चयन पश्चात् प्रवेश लेना है..........
7. शैक्षणिक योग्यता ....

पैरामेडिकल क्षेत्रों में कार्यरत कर्मियों हेतु
SPOT COUNSELING & ADMISSION
Explore @ www.leelasgroup.com

विभिन्न जिलों/शहरों में पैरामेडिकल/मैनेजमेंट/आईटी कंप्यूटर/ बैंकिंग फाइनेंस के सेक्टर में सेल्फस्पॉन्सर - कौशल केंद्र खोलने हेतु संपर्क करें: 8370077700, 8962555500

Maa Ad

खबर संक्षेप

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले सांसद बृजमोहन

रायपुर। संसद भवन नई दिल्ली में सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुलाकात की। इस अवसर पर रायपुर के पूर्व सांसद सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन के पदाधिकारी प्रीतेश गांधी, ललित जयसिंह भी मौजूद रहे।

राज्यपाल को मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से सोमवार को राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सौजन्य मुलाकात कर उनके सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा, राज्यपाल श्री हरिचंदन के मार्गदर्शन में प्रदेश ने प्रगति के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त कि राज्यपाल का स्नेह इसी प्रकार उन्हें और छत्तीसगढ़वासियों को मिलता रहेगा। इस अवसर पर राज्यपाल को मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

छत्तीसगढ़ महिला आयोग की सदस्यों का कार्यकाल समाप्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्यों का कार्यकाल 27 जुलाई 2024 को समाप्त हो गया। सदस्यों को 3 वर्ष पूर्व नियुक्त किया गया था। कार्यकाल समाप्त होने पर सोमवार को विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सदस्य नीता विश्वकर्मा (सरगुजा), अर्चना उपाध्याय (कोरबा) एवं बालो बघेल (बस्तर) को मेमेंटो, श्रीफल व शॉल भेंटकर उन्हें सम्मानित किया गया। 5 सदस्यों की हुई थी नियुक्ति महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के निर्देश पर सदस्यों कर विदाई समारोह कार्यक्रम आयोग मुख्यालय में किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. नायक, आयोग के सदस्य सचिव मनोज कुमार, सहायक संचालिका पुष्पा किरण कुजूर सहित कर्मचारी उपस्थित थे।

धान खरीदने से बचने लाया गया कृषि उपज मंडी संशोधन विधेयक

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, सरकार किसानों से धान खरीदने से बचने के लिए कृषि

उपज मंडी संशोधन विधेयक 2024 लायी है, ताकि किसान मजबूर होकर अपने उपज को औने-पौने दाम में राज्य के बाहर के व्यापारियों को बेच सके और सरकार अपने धान खरीदी की जिम्मेदारी से मुक्त हो जाए। उन्होंने कहा, राज्य सरकार के लापरवाही के कारण प्रदेश में डबल इंजन की सरकार धान को सड़ा कर अन्नदाताओं की मेहनत का अपमान कर रही।

मो. रफी की पुण्यतिथि पर कल सजेगी सुरों की महफिल

रायपुर। महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि के अवसर पर सुरमयी संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्वर सप्तक संस्था द्वारा शहीद स्मारक भवन में 31 जुलाई को शाम 7.30 बजे प्रस्तुत किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष उदय कुमार दास ने बताया कि कार्यक्रम में बॉलीवुड सिंगर वैभव रावल विशेष रूप से अपनी प्रस्तुति देंगे। साथ ही अंचल के किरण भट्ट, ओमप्रकाश, दिनेश वर्मा, मनोज बर्मन, नमीता गुप्ता, वंदिता साहू, सीमा दुबे, डॉ. जावेद अली एवं अजय कर्माकर उपस्थित दर्शकों के समक्ष रफी साहब के गाए गीत प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयरपोर्ट डायरेक्टर डॉ. एसडी शर्मा होंगे।

रामविचार के साथ ही खुल सकता है नवा रायपुर में बसाहट का सिलसिला, कुछ और मंत्री भी जाने की तैयारी में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री रामविचार नेताम नवा रायपुर स्थित नव निर्मित शासकीय आवास में 31 जुलाई को गृह प्रवेश करने वाले हैं। रामविचार के नवा रायपुर में शिफ्ट होने के साथ ही अब यहां मंत्रियों से लेकर अफसरों की बसाहट का रास्ता खुलने की संभावना है। दरअसल बरसों से नवा रायपुर को लेकर यही बात होती रही है कि यहां बसाहट नहीं हो पा रही है। हालांकि राज्य शासन के कई प्रमुख कार्यालय, निगम मंडलों से संबंधित कार्यालय व अन्य संस्थाओं के दफ्तर यहां काम कर रहे हैं। नवा रायपुर में विधानसभा भवन, राजभवन सहित अन्य शासकीय भवन निर्माण की प्रक्रिया में हैं।

31 जुलाई को नेताम का होगा गृह प्रवेश

राजभवन, विधानसभा सहित कई परिसर हो रहे हैं तैयार

नवा रायपुर में अब ऐसी संभावना है कि जल्द ही यहां बसाहट में तेजी आने के साथ रौनक नजर आने वाली है। नवा रायपुर के सेक्टर-24 में मंत्रियों के सभी बंगले 2-2 एकड़ में बने हैं। निवास और कार्यालय की व्यवस्था अलग-अलग है। सुरक्षा व्यवस्था का रिव्यू करने के बाद अन्य मंत्री भी यहां पर आने को तैयार होंगे। सेक्टर-24 में राजभवन, मुख्यमंत्री निवास, विधानसभा अध्यक्ष निवास, मंत्रियों के आवास गृह और वरिष्ठ अधिकारियों के आवासीय परिसर का निर्माण 591.75 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। प्लान के मुताबिक, राजभवन, मुख्यमंत्री निवास, विधानसभा अध्यक्ष निवास, मंत्री परिषद के सदस्यों के आवास और वरिष्ठ अधिकारियों के आवास नवा रायपुर में तैयार होने से यहां पर बसाहट अगले साल तक बढ़ेगी। यहां अफसरों के लिए सेक्टर-18 में ऐसे 78 बंगले भी तैयार हो रहे हैं। यहां पर विधानसभा भवन का निर्माण जून 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। यहां पर विधानसभा के अफसर और कर्मियों के लिए भी आवासीय परिसर तैयार करने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है।

दयालदास भी जाएंगे

सरकार के एक अन्य मंत्री दयालदास बघेल तथा महिला मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को करीब तीन महीना पहले बंगला आवंटित है। बताया गया है कि रामविचार के बाद दयालदास भी नवा रायपुर में शिफ्ट होने की तैयारी में हैं। लेकिन वे कब शिफ्ट होंगे ये अभी साफ नहीं है। हालांकि नवा रायपुर में मुख्यमंत्री आवास भी बनकर तैयार है। इसके साथ ही वहां मंत्रियों के लिए बनाए गए अन्य बंगलों का काम भी लगभग पूरा होने की स्थिति में है।

रामविचार का नया पता सेक्टर 24 बंगला नंबर एम-5

राज्य सरकार के मंत्री रामविचार नेताम 31 जुलाई को अपने नए शासकीय आवास में शिफ्ट होने की तैयारी में हैं। नवा रायपुर के सेक्टर 24 में यह बंगला बना है। श्री नेताम के अब नया पता नवा रायपुर सेक्टर 24 एम- 5 होगा। यहां पिछली सरकार के समय से मंत्रियों के आवास बनाने की तैयारी की जा रही थी, यह काम अब पूरा हो रहा है। सेक्टर 24 में ही अन्य मंत्रियों के आवास निर्माणाधीन हैं। आने वाले समय में यहां मंत्री बंगलों की चमक-धमक दिखाई देने वाली है।

शिवराज बोले

भूपेश सरकार ने हजारों गरीबों को घर से वंचित रखने का किया पाप

पीएम आवास पर छिड़ी सियासी जंग

भूपेश ने दी सफाई, कहा- केंद्र सरकार ने नहीं दिया पैसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री आवास को लेकर प्रदेश में सियासी जंग छिड़ गई है। भूपेश सरकार के कार्यकाल में 18 लाख परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रह गये। केंद्र सरकार ने पैसा भी दिया, लेकिन राज्य सरकार ने अपनी तरफ से अंशदान नहीं किया, लिहाजा पैसा लौट गया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ये गंभीर आरोप पूर्ववर्ती सरकार पर लगाये हैं। दरअसल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा दिल्ली में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर दिल्ली में केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के सामने इस विषय को रखा कि प्रदेश के कई लोग आवास से वंचित हैं। जब केंद्रीय मंत्री ने इन बातों को सुना, तो अधिकारियों से विस्तृत जानकारी मांगी, जिसके बाद ये बातें सामने आयी कि भूपेश बघेल की सरकार ने 18 लाख गरीब परिवारों के लिए केंद्र से भेजी गयी राशि का उपयोग किया ही नहीं। राज्य सरकार ने अपना अंश भी नहीं दिया, जिसकी वजह से प्रधानमंत्री आवास योजना नहीं बन पाया। मुख्यमंत्री को केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही प्रधानमंत्री

भूपेश सरकार ने पीएम के तहत एक भी घर नहीं बनने दिया : शिवराज

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिव राज सिंह चौहान ने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक भी घर नहीं बनने दिया, जो गरीबों के लिए बनाया जाना था। केंद्र ने पैसा भेजा लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए राज्य का हिस्सा जारी नहीं किया। इसलिए उस पैसे का उपयोग नहीं हुआ और इसे वापस भेज दिया गया। उन्होंने हजारों गरीबों को घर से वंचित रखने का पाप किया है। आज हमने साथ बैठकर चर्चा की। सीएम और डिप्टी सीएम ने इस मुद्दे को आगे बढ़ाया है। मोदी सरकार का उद्देश्य घर उपलब्ध कराना है। केंद्र उनका पूरा समर्थन करेगा।

डबल इंजन की सरकार में एक भी आवास स्वीकृत नहीं : भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के इस बयान पर कि छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार ने नहीं बनने दिया पीएम पर कहा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान झूठ बोल रहे हैं। 2021-22 में आवास के लिए केंद्र ने पैसा नहीं दिया। आज डबल इंजन सरकार में भी एक भी आवास स्वीकृत नहीं हुआ है। पंचायत और नगरीय प्रशासन मंत्री ने सदन में यह जानकारी दी है।

राज्यांश नहीं देने से केंद्रांश लौट गया

वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, पिछले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ के 18 लाख लोग प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से वंचित हुए, क्योंकि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने राज्यांश नहीं दिया। जबकि केंद्र सरकार ने अपना पूरा केन्द्रांश दिया, लेकिन राज्यांश नहीं देने के कारण वो वापस लौट गया। इसी सम्बन्ध में शिवराज सिंह चौहान से एक-एक बिंदु पर सार्थक चर्चा हुई, उन्होंने हमारी बातों को ध्यान से सुना और गरीबों को पक्का मकान दिलाने के लिए पूरी तरह आश्वस्त किया। मंत्री ने नक्सली हमले में शहीदों के परिजनों और आत्मसमर्पण करने वाले लोगों के लिए भी पीएम आवास की हमारी मांग को सहानुभूति पूर्वक सुनते हुए इसे पूरा करने के लिए आश्वस्त किया है।

अधिकारियों ने दी गलत जानकारी

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा, पीएम आवास को लेकर राज्य सरकार अपने बजट से राशि नहीं देती। रमन सरकार के समय से यह नियम बना था कि बैंकों से लोन लेकर यह राशि दी जाती थी। कांग्रेस सरकार के दौरान हमारा लिमिट टाइट था, इलिए बैंक से लोन लेने में देरी हुई थी। केंद्र सरकार ने केंद्रांश वापस लेने के बाद कई बैंकों ने राज्य सरकार लोन देने की सहमति दी। तब हमने केंद्र सरकार को केंद्रांश लौटाने पत्र लिखा, लेकिन स्वीकृति नहीं दी। बाद में राज्य सरकार ने चुनाव से पहले 48 हजार आवास को स्वीकृत कर इसके लिए राज्य के बजट से प्रथम किश्त की राशि 25 हजार रुपए बिलासपुर में राहुल गांधी के हाथों वितरित भी कराया था। राज्य के अधिकारियों ने गलत जानकारी दी है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने पीएम आवास में सहित कई योजनाओं में अच्छा काम किया। केंद्र ने राज्य को तीन साल इसके लिए बोनस भी दिया।

सावन की रिमझिम बारिश से धान की रोपाई में तेजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आषाढ़ महीने में सूखे जैसे हालत के बाद सावन में मानसून की सक्रियता बढ़ गई है। रुक-रुक कर हो रही रिमझिम बारिश से धान की रोपाई में तेजी आई है। ग्रामीण अंचल में किसान खेती-किसानी में जोर शोर से जुट गए हैं। अच्छी बारिश होने के कारण खेतों में पर्याप्त पानी भरा है। किसान भी खेतों में युद्ध स्तर पर रोपाई करवा रहे हैं। कृषि विभाग की मानें, तो प्रदेश में 85 प्रतिशत से अधिक बुआई हो चुकी है।

प्रदेश में बस्तर सहित अन्य मैदानी जिलों में मानसूनी बारिश के बाद किसानों के चेहरे में खुशी की लहर देखने को मिल रही है। खरीफ सीजन में राज्य सरकार द्वारा 48.63 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों के बोनी का लक्ष्य रखा गया है। धान की बुआई 38.65 लाख हेक्टेयर करने वाले अधिकतर किसानों ने खेतों में बीज छिड़ककर बोनी पहले ही कर ली थी। अब तक 33 लाख हेक्टेयर में धान की बोनी पूरी हो चुकी है। किसानों ने रोपा पद्धति से भी बारिश के बाद धान की बोनी में आगे आए हैं। मक्का की फसल की बोनी लगभग 19 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है। अरहर की फसल 6.90 लाख हेक्टेयर में बोई जा चुकी है। सोयाबीन की फसल की बोनी 2.90 लाख हेक्टेयर में हो गई है। मूंगफली की बोनी 3.50 लाख हेक्टेयर में हो गई है। ऐसे जिले जहां सिंचाई के साधन बेहतर हैं, वहां बोनी में तेजी देखी गई है। वहीं कई मैदानी जिलों में किसानों ने अच्छी बारिश के बाद बोनी शुरू हो गई है।

प्रामाणिक बीज और खाद का वितरण

प्रदेश के किसानों को उनकी मांग के अनुरूप प्रमाणित खाद-बीज का वितरण किया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 10.28 लाख मीट्रिक टन खाद जो लक्ष्य का 75 प्रतिशत वितरित हो चुका है। इसी प्रकार किसानों को 8.53 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 87 प्रतिशत है।

सरगुजा में बोनी पिछड़ी

राज्य में अब तक 549 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। विभिन्न जिलों में रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1317 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 202 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। अब तक सूरजपुर जिले में 329 मिमी, बलरामपुर में 463.2 मिमी, जशपुर में 352 मिमी, कोरिया में 345 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 372 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। सरगुजा जिले के अधिकांश तहसीलों में कम बारिश रिकार्ड की गई है। जिला मुख्यालय सरगुजा के आसपास के इलाकों के कम बारिश की वजह से खेतों के बुआई पर असर पड़ा है। राजधानी रायपुर में 500 मिमी के लगभग बारिश हुई है। यहां पर धरसीवा को छोड़कर बाकि तहसीलों में बारिश के बाद बुआई में तेजी आई है।

राज्यपाल हरिचंदन को विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को सोमवार को राजभवन परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन परिवार के समस्त अधिकारियों- कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपने कार्यकाल के विभिन्न पलों को याद किया और राजभवन परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल को राजभवन परिवार की ओर से शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ में मिला स्नेह सम्मान नहीं भूलूंगा

श्री हरिचंदन ने इस अवसर पर कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और यहां लोगों की मेहनत, समर्पण और साहस को नजदीक से देखा। यहां की भूमि न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है बल्कि छत्तीसगढ़ के लोग भी अत्यंत सरल, सहज होते हैं। सभी लोगों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है उसे भूलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं नीतियों को लागू किया गया। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी गुणवत्तायुक्त, अध्ययन - अध्यापन हो जिससे विद्यार्थियों का भविष्य बेहतर हो सके यह उनकी कोशिश रही।

बदले गए नौ जिलों के सीएमएचओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लंबी प्रतीक्षा के बाद राज्य शासन ने आदेश जारी कर नौ जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बदल दिया है। इसके अलावा कुछ जिला अस्पतालों सिविल सर्जन के रूप नई नियुक्ति दी गई है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में सीएचसी सारंगढ़ डा. एफआर निराला को सीएमएचओ की जिम्मेदारी दी गई है। जिला अस्पताल के डा. राजेश अवस्थी को बलौदाबाजार सीएमएचओ, सीएचसी राजनांदगांव के डॉ. विजय खोब्रागढ़े को सीएमएचओ मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, जिला अस्पताल बीजापुर के सिविल सर्जन डॉ. यशवंत कुमार ध्रुव को सीएमएचओ बेमेतरा, डिस्ट्रिक हास्पिटल बीजापुर के डॉ. अजय रामटेके को सीएमएचओ दंतेवाड़ा, जिला अस्पताल बलरामपुर के सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वर शर्मा सीएमएचओ जीपीएम, जिला अस्पताल के डॉ. कपिल देव पैकरा को सीएमएचओ सूरजपुर,

सीएमएचओ दंतेवाड़ा डा. संजय बसाक को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बस्तर बनाया गया है। इसी तरह चिकित्सा अधिकारी डा. रत्ना ठाकुर को सिविल सर्जन जिला बीजापुर, डा. आयुष जायसवाल जिला अस्पताल सरगुजा से सिविल सर्जन कोरिया, डा. अवधेश पाणीग्रहि को सीएमएचओ सारंगढ़ से सक्ती, सीएमएचओ बस्तर डॉ. आरके चतुर्वेदी को जिला अस्पताल, सीएमएचओ जीपीएम डा. आई. नागेश्वर राव को जिला अस्पताल, सीएमएचओ सूरजपुर आरएस सिंह को जिला अस्पताल, सीएमएचओ बलौदाबाजार डा. एमपी महेश्वर को जिला अस्पताल, सीएमएचओ मोहला-मानपुर को जिला अस्पताल तथा सीएमएचओ बमेतरा डॉ. संतराम चुरेन्द्र को जिला अस्पताल में पदस्थ किया गया है।

बृजमोहन बोले

राहुल गांधी ने किसी एससी एसटी सांसद को नेता प्रतिपक्ष क्यों नहीं बनाया

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024 पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।(बृजमोहन अग्रवाल ने अपने भाषण में कहा कि, मैं माननीय मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में 48 लाख 21 हजार करोड़ रुपए के बजट का स्वागत करता हूं। इसी के साथ उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने किसी एससी, एसटी सांसद को नेता प्रतिपक्ष क्यों नहीं बनाया। श्री अग्रवाल ने कहा-भारत के टुकड़े कर पाकिस्तान किसने बनाया, कोको द्वीप बर्मा को किसने दिया? देश को बांटने वाले, आज देश जोड़ों का नारा लगा रहे है। जब डोकलाम विवाद चल रहा था, तब राहुल गांधी चीनी दूतावास में क्या कर रहे थे। भारत की जनता उनकी हकीकत जान गई है। इसीलिए उन्होंने मरोसे के साथ मोदी सरकार बनाई है। श्री अग्रवाल ने कहा कि वो छत्तीसगढ़ से हैं, जो माता कौशल्या की जन्मभूमि है। छत्तीसगढ़ महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मभूमि है। प्रभु राम हमारे भांजे हैं, छत्तीसगढ़ प्रभु राम का वन गमन मार्ग भी रहा है। उन्होंने कहा, सरकार की पीएम आवास, नल जल, कौशल विकास, महिला विकास आदि जन कल्याणकारी योजनाओं और 4 करोड़ नौकरी का फायदा सभी को मिलेगा। मोदी जी ने इस देश को 4 जातियों में बांटा है जो युवा, किसान, महिला और गरीब हैं। अगर इनका विकास होता है, तो देश का विकास होगा।

मंडी एक्ट में बदलाव से किसानों को होगा लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन) विधेयक को विधानसभा से पारित कराकर सहमति के लिए राज्यपाल के पास भेजा गया है। राज्यपाल से संशोधन को सहमति मिलने के बाद यह संशोधित एक्ट प्रदेश में लागू होगा। जानकारों का कहना है कि इस बदलाव से राज्य के किसानों को लाभ होगा। वे अपनी फसल को राष्ट्रीय कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय कृषि बाजार में बेच सकेंगे।

- अपनी फसल राष्ट्रीय कृषि बाजार में बेच सकेंगे किसान

एक्ट में ये संशोधन : संशोधन विधेयक के मुताबिक, मंडी फीस के स्थान पर कृषक कल्याण शुल्क अंतःस्थापित किया जाएगा। नए संशोधन में कहा गया है कि प्रदेश के मंडी बोर्ड मंडी समिति के एकल पंजीयन, अनुज्ञप्तिधारी, प्रसंस्करणकर्ता, विनिर्माता को भारत सरकार द्वारा द्वारा संचालित ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) पोर्टल के माध्यम से अधिसूचित कृषि उपज की खरीदी तथा बिक्री अधिसूचित कृषि उपज की कीमत, मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क तथा अन्य देय राशियों का भुगतान इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार करने पर अनुज्ञप्ति, पंजीयन की आवश्यकता नहीं होगी।

मंडी की 10 प्रतिशत आय किसान कल्याण में

इसी संशोधन में यह भी कहा गया है कि बोर्ड के भिन्न-भिन्न कृषक कल्याणोन्मुखी गतिविधियों (कृषक हित) के लिए अपनी सकल वार्षिक आय की 10 प्रतिशत राशि छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण निधि में जमा कराई जाएगी। इस राशि का उपयोग किसानों के हित

मुख्यमंत्री मितान योजना अब होगी मोर संगवारी सेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इस काम के लिए बनी थी योजना

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई मुख्यमंत्री मितान योजना का नाम सरकार ने बदल दिया है। यह योजना अब मोर संगवारी सेवा के नाम से संचालित होगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। योजना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। खास बात ये है कि राज्य में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार बदलने के बाद से पिछली सरकार के कई आदेश और योजनाओं के नाम बदले जा रहे हैं।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मुख्यमंत्री मितान योजना आरंभ की गई थी। इस योजना के माध्यम से सरकार द्वारा सभी सरकारी सेवाओं को नागरिकों के घर तक पहुंचाने की शुरुआत की गई थी। नागरिक जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, राशन कार्ड आदि जैसे दस्तावेज घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। नागरिकों को कोई भी दस्तावेज बनवाने के लिए आपने ब्लॉक नगर निगम परिषद, तहसील या अन्य सरकारी कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है।

हेल्पलाइन नंबर से होता है काम

इस योजना को शुरू करने के समय पूर्व सरकार ने इसके संचालन के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रारंभिक प्रावधान रखा था। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नागरिकों को एक हेल्पलाइन नंबर 14545 है। इसके माध्यम से संपर्क करने पर योजना के कर्मी घर पर सहायक आते हैं। ये सहायक सभी विवरणों को एकत्रित करके, सूचनाओं को संशोधित करेंगे। इसके अलावा दस्तावेजों को सत्यापित करेंगे। जिसके पश्चात नागरिकों को प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाएगा। सहायक द्वारा यह सेवाएं प्रदान करने के लिए 100 रुपए से कम का सेवा शुल्क का प्रावधान है।

कांग्रेस में शहर के कई नेताओं ने की दावेदारी

कांग्रेस ने शुरू की उपचुनाव के लिए तैयारी बूथ से लेकर जोन संभालेंगे वरिष्ठ कांग्रेसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की तैयारी के लिए पूरी तरह से ताकत झोंक दी है। विधानसभा से सभी वार्डों में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को बूथ, सेक्टर और जोन की कमान दी है। यहां पर जातिगत समीकरण के हिसाब से नेताओं को लगाया गया है।

18 दिसंबर तक इस सीट को भरे जाने को लेकर चुनाव होना है। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया के सितंबर अंतिम सप्ताह में शुरू होने की संभावना के देखते हुए अभी से कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति बनाई गई। कांग्रेस नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी को भी इससे जोड़कर देख रही है। प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी ने पहले ही विधानसभा उप चुनाव को लेकर जिला के पदाधिकारियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए थे। पीसीसी अध्यक्ष शहर जिला अध्यक्ष और पदाधिकारियों की बैठक लेकर प्रभारियों को काम सौंपने कहा था। जिला कांग्रेस ने उस आधार पर यहां के 19 वार्ड में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, पूर्व सांसद छाया वर्मा और एमआईसी के सदस्यों को यहां की जिम्मेदारी दी है। बताया जाता है कि शहर के विकास में निगम के पार्षदों और एमआईसी मेंबर की भूमिका को देखते हुए बूथ स्तर पर बैठक लेकर कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा कर लोगों को कांग्रेस के काम के बारे में बताया जाएगा। महापौर को भी एक वार्ड की जिम्मेदारी दी गई है। आने वाले समय में प्रभारियों के जरिए यहां पर कांग्रेस को प्रत्याशी तय करने में भी मदद मिलेगी।

परिसीमन पर दावा आपत्ति

शहर के वार्डों के परिसीमन को लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोलने का निर्णय लिया है। नगरीय निकाय चुनाव से पहले विभाग द्वारा परिसीमन के लिए दावा आपत्ति मंगाए गए है। बताया जाता है कि कई वार्डों में मतदाताओं की संख्या में अधिक है, उसमें एकरूपता लाने परिसीमन के आधार पर बूथों को इधर-उधर किए जाने की संभावना है। ऐसे में सभी वार्डों में जनसंख्या के आधार पर समायोजित करने का प्रयास होगा। कुछ ऐसे ग्राम जिनका क्षेत्र अधिक था उसे भी कम करने का प्रयास हो रहा है। ऐसे में वार्ड क्षेत्र में परिवर्तन होगा। कांग्रेस इसे लेकर दावा आपत्ति करेगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने तय किया है कि रायपुर दक्षिण में भाजपा का कई साल तक कब्जा रहा। कांग्रेस अब इसे भाजपा से छीनने के लिए ताकत झोंक दी है।

जिस स्टेशन में एक्सप्रेस का स्टॉपेज नहीं, वहां रोजाना चेन पुलिंग, 24 यात्रियों पर कार्रवाई

अपील के बाद अब आरपीएफ यात्रियों पर कर रही सीधे कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

ट्रेनों में चेन पुलिंग को रोकने रेलवे बोर्ड ने सभी जोन व मंडल को विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। राजधानी में चेन पुलिंग के मामलों को कम करने अब आरपीएफ एक्शन मोड में आ चुकी है। यात्रियों को अपील करने के साथ-साथ अब सीधे कार्रवाई की जा रही है। आरपीएफ कमांडेंट रमन कुमार ने सोमवार को टीम बनाकर ने विभिन्न स्टेशनों में कार्यवाही का आदेश दिया, जिसके बाद टीम ने एक साथ ट्रेनों में बेवजह चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। भिलाई पावर हाउस में टीटीई द्वारा यात्रियों का टिकट चेक करने पर पाया गया कि अधिकतर यात्री दुर्ग तक यात्रा करने का टिकट रखे थे, लेकिन ट्रेन में चेन खींच कर उतर गए।

नहीं बता पाए उचित कारण : उचित कारण नहीं होने के कारण चेन खींचने वाले 01 व्यक्ति को रेलवे एक्ट कि धारा 141 के तहत गिरफ्तारी की गई। उनमें से 6 यात्रियों को रेलवे एक्ट की धारा 147 के तहत गिरफ्तारी, 10 व्यक्तियों को रेलवे एक्ट की धारा 145 बी के तहत गिरफ्तारी की कार्यवाही की गई। सात व्यक्तियों से टीटी के माध्यम से 1640- जुर्माना वसूला गया। कुल 24 यात्रियों पर समस्त कानूनी कार्यवाही कर चेतावनी देकर मुचलका पर छोड़ा गया।

जहां स्टॉपेज नहीं, वहां चेन पुलिंग अधिक

अलार्म चेन खींचना पूरे भारत में रेल सेवाओं के देरी से चलने के लिए एक प्रमुख कारण है। किसी भी रेलगाड़ी के असामान्य रूप से रुकने से न केवल उस विशेष रेलगाड़ी की समयबद्धता प्रभावित होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली सभी रेलगाड़ियों की समयबद्धता भी प्रभावित होती है, साथ ही रेल यात्रियों का बहुमूल्य समय भी बर्बाद होता है। रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा ट्रेन नंबर 18202 नौतनवा-दुर्ग में बिना उचित कारण के चेन खींचने वाले लोगों पर कार्रवाई की गई। ट्रेन थु पास होते ही चेन पुलिंग हॉर्न के कारण रुक गई तुरंत वहां पर मौजूद आरपीएफ के अधिकारी व बल सदस्य हरकत में आ गए। ट्रेन से उतरते हुए यात्रियों को रोक कर उनसे बिना स्टॉपेज उतरने का कारण पूछा।

कार्रवाई जारी

यात्रियों से है कि वे बिना किसी उचित कारण के छोटी-मोटी वजहों से ट्रेनों में अलार्म चेन खींचने से बचें और इसका सहारा केवल आपातकालीन स्थितियों के दौरान ही लिया जाना चाहिए। लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है, ताकि ट्रेन का परिचालन समय पर हो।

- रमन कुमार
कमांडेंट, आरपीएफ

खबर संक्षेप

डॉ. सफियाबादी को मदर टेरेसा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

रायपुर। अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन इकाई छत्तीसगढ़ के संस्थापक, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. जौहर सफियाबादी को मानम फाउंडेशन की ओर से मदर टेरेसा लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। भोजपुरी समाज के प्रदेशाध्यक्ष मुक्तिनाथ पांडे ने सूफी संत डॉ. जौहर सफियाबादी को भोजपुरी समाज के समस्त पदाधिकारी और सदस्यों की ओर से बधाई दी और उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इसी दौरान मुक्तिनाथ पांडे ने कहा कि यह समस्त भोजपुरी समाज के लिए बहुत ही गौरव का विषय है। डॉ. जौहर ने पिछले कई वर्षों से भोजपुरी समाज में अपना योगदान दिया और एक वरिष्ठ सदस्य होने के नाते मार्गदर्शन इस समाज को दिया तथा समाज में एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान की। ऐसे विद्वान और बुद्धिजीवी व्यक्तित्व के धनी डॉ. जौहर समाज के युवाओं के प्रेरणास्रोत भी रहे हैं।

निधन

जयदेवी पारवानी

रायपुर। सिविल लाइंस निवासी जयदेवी पारवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 29 जुलाई को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे राजकुमार, अनूप पारवानी की माता थीं।

कन्हैया लाल माखीजा

रायपुर। डागा बिल्डिंग सिविल लाइंस निवासी कन्हैया लाल माखीजा का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 30 जुलाई को दोपहर 12 बजे उनके निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे खेमचंद माखीजा के भाई थे।

आपसी रंजिश पर युवक का अपहरण कर की हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

धरसींवा विधानसभा क्षेत्र से सटे मांढर में मिले युवक की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हत्या के आरोप में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह आपसी रंजिश बताई जा रही है। मृतक के खिलाफ पूर्व में धरसींवा में चार आर्म्स एक्ट तथा उरला में डकैती का अपराध दर्ज है। घटना में शामिल तीन बदमाश अब तक फरार हैं। बदमाशों ने युवक को उसके घर से अपहरण कर अपने साथ ले जाकर चाकू से गोदकर हत्या की है।

■ **मृतक के खिलाफ धरसींवा, उरला में आर्म्स एक्ट, डकैती का पूर्व में दर्ज हैं अपराध**

पुलिस के मुताबिक गिरौद निवासी लिकेश पटेल की हत्या के आरोप में बसंत निषाद, लुकेश्वर पटेल, भूपेन्द्र वर्मा, मनीष सागरवंशी को गिरफ्तार किया गया है। परिजनों ने पुलिस को बताया है कि गांव के रहने वाले मनीष, लुकेश्वर तथा बसंत, लिकेश को घर से जबरन अपने साथ बाइक में बैठाकर ले गए। परिजनों के मुताबिक तीन बाइक में छह से सात बदमाश सवार थे। इसके बाद बदमाशों ने लिकेश की हत्या करने के बाद मांढर के पास एक खेत में फेंक दिया।

बदमाशों ने कहा- तुम्हारे भाई को चाकू मार दिया

लिकेश की बहन ने पुलिस को बताया है कि उसके भाई की हत्या करने के बाद बदमाशों ने उसके घर के पास आकर उसे उसके भाई को चाकू मारने की बात कही। बदमाश मृतक को जब अपने साथ बाइक पर बैठाकर ले जा रहे थे, तब मृतक की बहन ने बदमाशों से कहा था कि उसके भाई को कुछ नहीं होना चाहिए।

शराब लेने गए ऑटो चालक की हत्या के आरोप में तीन नाबालिग गिरफ्तार

आमानाका थाना क्षेत्र में 10 दिन पूर्व ऑटो चालक की अंधे कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। हत्या के आरोप में पुलिस ने तीन नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नाबालिग कुकुरबेड़ा, देवार डेरा के रहने वाले हैं। हत्या की वजह शराब खरीदने को लेकर विवाद को बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक 17 जुलाई को डुमरतालाब एमबीपीएल ग्राउंड पर अज्ञात युवक की लाश मिली थी। बाद में मृतक की शिनाख्त संतोषी नगर निवासी नरेश चंद्राकर के रूप में हुई। मृतक की पहचान ऑटो रिक्शा चालक की रूप में हुई। मृतक की शिनाख्त होने पर पुलिस ने घटना के समय मृतक के साथ कौन था, इसकी पतासाजी की। पुलिस को इंटर स्टेट बस टर्मिनल के पास बस में खलासी का काम करने वाला एक युवक मृतक के ऑटो में सवार होता दिखा। इसके बाद पुलिस ने उस खलासी के बारे में जानकारी जुटाकर उससे पूछताछ की, तो उसने मृतक के साथ कुकुरबेड़ा में शराब लेने जाने की जानकारी दी।

■ **मृतक अपने पिता की मौत का हवाला देकर मां का इकलौता पुत्र होने की गुहार लगाता रहा**

बदमाशों तक ऐसे पहुंची पुलिस: मृतक के साथी के बताए अनुसार पुलिस घटनास्थल पहुंची, जहां वो शराब खरीदने के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने मौके पर सीसीटीवी फूटेज की पड़ताल की, तो उसमें हत्या की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों का पुलिस को सीसीटीवी फूटेज मिला। फूटेज देखने के बाद मृतक का साथी आरोपियों को नहीं पहचान पाया, तो पुलिस ने कपड़ों के रंग के आधार पर बदमाशों की पहचान कर बदमाशों तक पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया।

एसएसपी संतोष सिंह को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ कॉडर के वरिष्ठ आईपीएस अफसर व एसएसपी रायपुर संतोष कुमार सिंह ने बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। दुर्ग जिले के हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने उन्हें संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों से जुड़े विषय पर किए गए शोध कार्य पूर्ण करने पर डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोध कार्य निर्देशक डॉ. सुनीता मिश्रा, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान शासकीय नवीन महाविद्यालय भिलाई एवं सहायक-निर्देशक डॉ. प्रमोद यादव विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, सेठ आरसीएस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय दुर्ग के निर्देशन में पूरा किया है।

■ **संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों से जुड़े विषय पर शोध करने पर दी गई डिग्री**

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के शांति-निर्माण प्रयासों की भूमिका व कार्यों की समालोचना विषय पर शोध किया है। इस शोध में उन्होंने पाया है कि शीत युद्ध के बाद दुनिया में हिंसाग्रस्त राष्ट्रों में शांति को चिरस्थाई बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के शांति-रक्षा (पीस कीपिंग) और शांति-स्थापना (पीस मेकिंग) प्रयासों से आगे बढ़कर शांति-निर्माण या सुदृढ़ीकरण (पीस बिल्डिंग) कार्यों पर जोर देने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के टैगोर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह उपाधि प्रदान की गई। इस दौरान कुलपति डॉ अरुणा पल्टा, कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से आए बाह्य परीक्षक डॉ गोपाल कृष्ण शर्मा, डॉ अंजनी शुक्ला, डॉ सुनीता मिश्रा, डॉ प्रमोद यादव, डॉ राजमणि पटेल, डॉ सपना शर्मा सहित प्राध्यापकगण व शोधार्थी उपस्थित रहे।

ड्राइवर ने कहा ...

कहना है, समाचार पत्र तथा अन्य माध्यमों से उसे गोसेवकों द्वारा उसे तीन मवेशी कारोबारियों की आरंग में हत्या किए जाने की जानकारी मिली। इसके बाद ट्रक ड्राइवर ने उक्त वीडियो अपने ड्राइवरों के वाट्सएप ग्रुप में पोस्ट किया। वह वीडियो वायरल होते हुए अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म तक पहुंच गया।

कहीं पार्किंग में ही...

और उसके आस-पास के इलाके में हैं। कोचिंग सेंटर संचालकों के मुताबिक, जिले में बड़े कोचिंग सेंटर की संख्या 50 के लगभग है, जहां नीट, जेईई, पीएससी, क्लैट, कैट जैसे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। मंझोले और छोटे स्तर के कोचिंग सेंटर 200 के करीब है, जहां किसी विषय विशेष की पढ़ाई होने के अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों की तैयारी कराई जाती है। छत्तीसगढ़ में कोचिंग सेंटर्स मुख्यतः रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई में है। इनके बाद कोरबा और राजनांदगांव का स्थान है। **फायर सेफ्टी के लिए दिए थे निर्देश** : हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि शहर कोचिंग सेंटर्स में अंतिम बार जांच गुजरात हादसे के वक्त हुई थी। यहां एक कोचिंग सेंटर में 24 मई 2019 को भीषण आग लग गई थी। इसमें छात्रों सहित 22 लोगों की जान गई थी। इस हादसे के बाद शहर के कोचिंग सेंटर्स में फायर सेफ्टी और वेंटिलेशन की जांच नगर निगम द्वारा की गई थी। हालांकि बड़ी कार्रवाई उस दौरान भी नहीं की गई। जहां कमी मिली, वहां सुधार के लिए वक्त दिया गया। इसके बाद से कोई बड़ी अथवा नियमित जांच निगम द्वारा नहीं हुई। **निगम देता है गुमास्ता लाइसेंस** : कोचिंग सेंटर की मॉनिटरिंग के लिए स्कूल अथवा कॉलेज की तरह की कोई विशेष मॉनिटरिंग बॉडी नहीं है। कोचिंग सेंटर खोलने के लिए निगम से गुमास्ता लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है। नगर निगम फायर सेफ्टी, किरायानामा, टैक्स भुगतान की स्थिति को देखते हुए गुमास्ता लाइसेंस प्रदान कर देता है। एक बार लाइसेंस प्रदान करने के बाद नियमित जांच सामान्यतः नहीं होती है। **केस-4.** नीट, जेईई आदि की तैयारी करवाने वाले बड़े इंस्टिट्यूट में हजारों की संख्या में छात्र अध्ययनरत रहते हैं। इनमें अधिकतर स्कूली छात्र हैं। जबकि इनकी छुट्टी होती है तो सड़क पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। सड़क सुरक्षा के लिए भी कोई व्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों द्वारा नहीं की जाती है। **केस-5.** अनुपम नगर और सुंदर नगर स्थित कोचिंग सेंटर्स सहित अधिकतर स्थानों के कोचिंग सेंटर्स में दरवाजे इतने छोटे हैं कि हादसा होने की स्थिति में भगदड़ मचने की आशंका बनी हुई है।

पेज 11 के शेष ...

झूठी एफआईआर...

महापौर ने एसएसपी से कहा, प्रदर्शन के दौरान 25 हजार लोग मौजूद थे, या तो उन सभी पर एफआईआर दर्ज की जाए या उन पर लगाई गई झूठी एफआईआर को को शून्य की जाए। श्री ढेबर ने कहा कि वह भाजपा के राजनीतिक वैमनस्य के कारण उठाए गए इस कदम से भी व्यथित हैं और पिछले 3-4 दिन से सो नहीं पा रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर आगामी नगरी निकाय चुनाव में इस मसले का फायदा उठाने का भी आरोप लगाया। इस दौरान पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, सभापति प्रमोद दुबे और कांग्रेसी पार्षद तथा पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किराए पर बैंक खाता...

आशीष साहू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार विकास अपने शिकार को स्वयं कॉल कर अपने ठगी के जाल में फंसाता था और उसे शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफा मिलने का झांसा देकर ठगी करता था। विकास ने टाटीबंध निवासी पेशे से चिकित्सक सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. प्रकाश गुप्ता से पौन करोड़ रुपए की ठगी की है। उत्तराखंड से संचालित हो रही थी ठगी की दुकान : पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक विकास उत्तराखंड, मसूरी से ठगी की दुकान संचालित कर रहा था। पुलिस के अनुसार वह पिछले दो वर्षों से शेयर ट्रेडिंग तथा गूगल रिव्यू के नाम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। पुलिस के अनुसार विकास ठगी करने के लिए वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल करता था।

नहीं हुआ तबादला...

हैं। इसकी वजह से कई दूरवर्ती जिलों के अस्पतालों में उपचार सुविधा की कमी रहती है। वहीं चिकित्सा महाविद्यालयों की मान्यता पर खतरा मंडराता रहता है। इसकी भरपाई के लिए विभागीय स्तर पर कई बार तबादले किए जाते हैं, मगर उसकी जद से कई डाक्टर बाहर रहते हैं। ऐसे ही 749 डाक्टरों की ज्वाइनिंग जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज में हुई और उसके बाद सालों गुजरने के बाद उन्हें दूसरे स्थान पर नहीं भेजा गया। उल्टे सेवा में रहने के दौरान कईयों को पदोन्नति का लाभ भी मिल गया। सूत्रों का कहना है कि ट्रांसफर का नियम इन डाक्टरों पर लागू नहीं होने की वजह विभागीय स्तर पर तगड़ी पहुंच है। इसके अलावा एक ही स्थान पर रहते हुए क्षेत्र में बड़े अस्पताल अथवा निजी क्लीनिक से होने वाली बड़ी आय का मोह भी उन्हें दूसरे जिलों में जाने से रोकता है।

मच्छर मारने ग्लोबल...

3 माह के लिए शहरभर में मच्छर उन्मूलन का कार्य सौंपा जायेगा। अनुबंध की शर्त के अनुसार अनुबंधित एजेंसी शहर में फागिंग से लेकर एंटी लार्वा छिड़काव करेगी। इसके लिए मैनपावर और मशीन भी एजेंसी लेकर आयेगी। रायपुर नगर निगम अब विशाखापटनम जैसे बड़े शहरों की तर्ज पर शहर में मच्छर उन्मूलन का पूरा जिम्मा बाहर की एजेंसी को देने की तैयारी में है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए एजेंसी तय करने ग्लोबल टेंडर किया है। इसमें 3 अलग-अलग एजेंसी ने निविदा भरी है। अनुबंधित एजेंसी शहर के सभी 70 वार्डों में एक साथ मच्छर उन्मूलन के लिए एकीकृत प्लान लेकर काम करेगी। इसमें 100 लेबर रखने की शर्त के साथ इस कार्य में प्रयुक्त मशीन और आवश्यक संसाधन अनुबंधित एजेंसी के ही रहेंगे। इसमें नगर निगम को फूटी कौड़ी का खर्च नहीं आयेगा। **शुरुआत में 3 माह के लिए अनुबंध** : मच्छरों से शहवासियों को राहत दिलाने के इस प्रोजेक्ट की शुरुआत में यह कार्य 3 माह के लिए दिया जायेगा। चयनित एजेंसी को नगर निगम परफार्मेंस बेस भुगतान करेगा। यानी शहर में मच्छर कम होने की दशा में अनुबंधित एजेंसी को निर्धारित राशि दी जायेगी। कार्य का मूल्यांकन करने निगम का स्वास्थ्य महकमा एनएसडीसी सहित अन्य विभागों के साथ तालमेल बनाकर समय-समय पर शहर में मच्छर उन्मूलन वाले इलाकों में जाकर रेंडम सैंपल एकत्र करेगा। यही नहीं, एजेंसी द्वारा मच्छर नियंत्रण कार्य में प्रयुक्त केमिकल की खाली बॉटल को चेक करेगा। इसके साथ ही शहर की पब्लिक से फीडबैक लिया जायेगा।

मुख्यालय में खुलेगा कंट्रोलरूम, जनता की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर : निगम मुख्यालय में शहरभर में मच्छर उन्मूलन के कार्य पर नजर रखने कंट्रोलरूम खुलेगा। यह प्रतिदिन दोपहर 2 बजे के बाद से कार्यशील रहेगा। आम जनता शहर के विभिन्न इलाकों से टोल फ्री नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगी। इसके लिए अलग से टोल फ्री नंबर जल्द जारी होगा। अनुबंधित एजेंसी के कार्य की मानिटरिंग संबंधित जोन के जेडएचओ करेंगे।

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनान्तर्गत शंकर नगर, रायपुर में स्थित भवन क्रमांक-बी/20, सेक्टर-01, 1. श्री शेखर लाल जेकब 2. श्री जितेन्द्र कुमार जेकब 3. श्रीमती सुलोचना पॉल 4. श्री विजय जेकब 5. श्री अजय कुमार जेकब सभी के पिता स्व. एस. एल. जेकब, के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्रमांक 3508 दिनांक 19.06.2018 के माध्यम से नामांतरित किया गया है। वर्तमान में नामांतरी क्र. 2. श्री जितेन्द्र कुमार जेकब पिता स्व. एस. एल. जेकब की मृत्यु दिनांक 25.01.2021 को हो जाने के कारण सह नामांतरी 1. श्री शेखर लाल जेकब 3. श्रीमती सुलोचना पॉल 4. श्री विजय जेकब 5. श्री अजय कुमार जेकब सभी के पिता स्व. एस. एल. जेकब के द्वारा नामांतरी क्र. 2. श्री जितेन्द्र कुमार जेकब पिता स्व. एस. एल. जेकब का नाम विलोपित कर अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण करने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उनके द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है कि श्री जितेन्द्र कुमार जेकब पिता स्व. एस. एल. जेकब, अविवाहित थे तथा उनका अन्य कोई वारिसान नहीं है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उपरोक्त भवन को नामांतरी क्र. 2. श्री जितेन्द्र कुमार जेकब पिता स्व. एस. एल. जेकब की मृत्यु होने के उपरांत उनका नाम विलोपित कर सह नामांतरी 1. श्री शेखर लाल जेकब 3. श्रीमती सुलोचना पॉल 4. श्री विजय जेकब 5. श्री अजय कुमार जेकब सभी के पिता स्व. एस. एल. जेकब के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल - रायपुर-09, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना
जारी दिनांक 26.07.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री पदमकिशोर दुर्गा पिता श्री चंद्रध्वज दुर्गा निवासी लाभाण्डी आवेदित भूमि ग्राम लाभाण्डी प.ह.नं. 65, रा.नि.मं. रायपुर -09, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 427/74 रकबा 0.0051 हे. का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 10.06.2024 के परिपालन में दिनांक 02.08.2024 को समय 1 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 65 के ग्राम लाभाण्डी स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-09

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल - रायपुर-09, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना
जारी दिनांक 26.07.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सतीश सिंह पिता/पति श्री सुखनन्दन सिंह निवासी कृषक नगर जोरा आवेदित भूमि ग्राम लाभाण्डी प.ह.नं. 65, रा.नि.मं. रायपुर -09, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 427/62 रकबा 0.0092 हे. का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 10.06.2024 के परिपालन में दिनांक 02.08.2024 को समय 1 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 65 के ग्राम लाभाण्डी स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-09

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल - रायपुर-09, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना
जारी दिनांक 26.07.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री गायत्री सिंह चौहान पति श्री कौशल सिंह चौहान निवासी कृषक नगर लाभाण्डी आवेदित भूमि ग्राम लाभाण्डी प.ह.नं. 65, रा.नि.मं. रायपुर -09, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 427/72 रकबा 0.0167 हे. का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 10.06.2024 के परिपालन में दिनांक 02.08.2024 को समय 1 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 65 के ग्राम लाभाण्डी स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-09

रजिस्ट्री पेपर गुमा
ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बिरेन्द्र कुमार साहू पिता श्री बेनीराम साहू उम्र 48 वर्ष निवासी तेली धर्मशाला के पास अश्वनी नगर थाना पुरानी बस्ती रायपुर छ.ग. का हूँ।

यह कि मैने श्री बलीराम साहू पिता श्री आनंद राम साहू निवासी हनुमान नगर रायपुर छ.ग. से आवासीय भूमि जिसका खसरा नं. 1158/138 रकबा 1000 वर्गफुट को मैने वर्ष 10.11.1997 को क्रय किया था। यह कि उपर वर्णित भूमि का रजिस्ट्री पेपर मेरे द्वारा आज दिनांक 22.07.2024 को मेरे घर तेली धर्मशाला के पास अश्वनी नगर रायपुर छ.ग. में कही गुम (खो) हो गई है। उपरोक्त रजिस्ट्री को किसी भी वित्तीय संस्थान, बैंक या साहूकार के पास रहन गहन या बंधक नहीं रखा हूँ।

यह कि मैं यह शपथ पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष रजिस्ट्री गुम हो जाने की सूचना दर्ज करा चूका हूँ।

अतः किसी भी व्यक्ति, संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा या आपत्ति हो तो वह 15 दिन के भीतर दावा या आपत्ति मेरे पास प्रस्तुत कर सकता है।

श्री बिरेन्द्र साहू
तेली धर्मशाला के पास साहूबाडा अश्वनी नगर रायपुर छ.ग.,
मो. नं. 9691692762, 8839147406

नाम परिवर्तन

मै सिंधु एन.बी. उम्र 45 वर्ष पति श्री दिलीप रामचन्द्रन, निवासी-म.नं. -ई-67, श्रीजी मधुबन कॉलोनी, अमलीडीह, पोस्ट-रविग्राम, रायपुर छ.ग.

मेरे स्वामित्व व आधिपत्य का मकान जिसका म.नं.-ई-67 जो कि वाके मौजा-अमलीडीह, श्रीजी मधुबन कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर छ.ग. में स्थित है जिसके बैनामा पंजीयन (विक्रय विलेख) दस्तावेज में मेरा नाम श्रीमती सिंधु रामचन्द्रन दर्ज/अंकित है जबकि मेरा सही एवं वास्तविक नाम सिंधु एन.बी. है।

मेरा आधार कार्ड जिसका क्रमांक-8033 9454 4713 में मेरा सही एवं वास्तविक नाम सिंधु एन.बी. दर्ज/अंकित है।

उक्त भूमि/संपत्ति के बैनामा पंजीयन (विक्रय विलेख) के दस्तावेज में दर्ज श्रीमती सिंधु रामचन्द्रन को विलोपित / संशोधित कर मेरा सही एवं वास्तविक नाम सिंधु एन.बी. दर्ज कराने के संबंध में यह शपथ पत्र सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं।

सिंधु एन.बी.
पति श्री दिलीप रामचन्द्रन,
पता-ई-67, श्रीजी मधुबन कॉलोनी, अमलीडीह,
रायपुर छ.ग.

न्यायालय अनूप तिग्गा, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, रायपुर (छ.ग.)

प्रकरण क्रमांकः 280-अ/2024
प्रोसेस क्रमांकः 586/2024
नियत तिथिः 03.09.2024

श्रीमती डोलन गोयल ....वादिनी
विरूद्ध
आम जनता (जिसका इससे संबंध हो) ....प्रतिवादी

प्रति (बनाम),
आम जनता (जिसका इससे संबंध हो)

उपरोक्त वादी ने आप आम जनता (जिसका इससे संबंध हो) के विरूद्ध स्व. श्री श्रीकुमार बैनर्जी (मृत्यु दिनांक 29.08.2020) एवं श्रीमती ईशिता बैनर्जी (मृत्यु दिनांक 28.01.2018), दोनों निवासी फ्लैट नं. 401, "गोल्डन ग्लोरी", स्ट्रीट नंबर 7, श्रीराम नगर, शंकरनगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) की एकमात्र पुत्री होने के आधार पर उनके एकमात्र विधिक उत्तराधिकारी/प्रतिनिधि/वारिसान होने की उद्घोषणा किये जाने हेतु उपरोक्त वाद प्रस्तुत किया है। आप आम जनता (जिसका इससे संबंध हो) "प्रतिवादी" को सूचित/समंस किया जाता है कि, आप न्यायालय में दिनांक 03.09.2024 को दिन में 11:00 बजे उत्तर देने के लिये उपसंजात हों। आप स्वयं न्यायालय में या ऐसे किसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जा रहा है कि, आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई, दावा या दावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भरता करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आज तारीख 25.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।

नोट: यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है या कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

मुहर
अनूप तिग्गा, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर 09, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
// आम सूचना //
जारी दिनांक 26/07/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री दिलीप यदु पिता/पति श्री भरतलाल यदु निवासी लाभाण्डी आवेदित भूमि ग्राम लाभाण्डी प.ह.नं. 65, रा.नि.मं. रायपुर 09, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर. 427/70 रकबा. 0.0455 हें का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 10/06/2024 के परिपालन मे दिनांक 02/08/2024 को समय 12 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 65 के ग्राम लाभाण्डी स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-09

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर 09, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
// आम सूचना //
जारी दिनांक 26/07/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राजू साहू पिता/पति श्री रामखिलावन साहू निवासी लाभाण्डी आवेदित भूमि ग्राम लाभाण्डी प.ह.नं. 65, रा.नि.मं. रायपुर 09, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर. 427/71 रकबा. 0.0121 हें का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 10/06/2024 के परिपालन मे दिनांक 02/08/2024 को समय 1 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 65 के ग्राम लाभाण्डी स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-09

Health Town

K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुर्वेद, स्वस्थ जीवन का राज)
वैद्य- डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob: 9111922122, 9111912122, 0771-3558564
पता :- B-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount For BPL Card Holder
ADMISSION OPEN Nursery to 12th (Biology, Maths, Commerce) Register Now at www.mesraipur.com
Highlight: Spoken English & Personality Development Classes • Transport & Surveillance Facility • Monthly Seminar & Discussion • Personal Attention on each students • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90% • Robotics and Science laboratory • Sports and Curriculum Activities
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 0771-4000123, 9425214413, 9329621221

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount For BPL Card Holder
ADMISSION OPEN Nursery to 12th Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features: • Extra curricular activities • Personal attention to each student Limited student in each class • Music, Dance, personality development classes • Yoga • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C.G.) 0771-4913336, 9425214413, 9329621221 Email:- rpsraipur123@gmail.com

खबर संक्षेप

ईडब्लूएस छत्तीसगढ़ परिवार संघ का गठन प्रीतम बने प्रदेश अध्यक्ष

रायपुर। राजधानी में नगरीय निकाय ईडब्लूएस छत्तीसगढ़ परिवार संघ का गठन किया गया। इस संगठन में प्रधानमंत्री आवास एवं ईडब्लूएस आवास में रहने वाले परिवार के लोगों ने पदाधिकारियों का चुनाव किया। इस मौके पर प्रदेश के सभी शहरों से प्रतिनिधि दलदल सिवनी स्थित प्रधानमंत्री आवासीय परिसर फेज 2 के सामुदायिक भवन में जुटे। चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में प्रीतम महानंद और कार्यकारी अध्यक्ष सूरज यादव, उपाध्यक्ष अशोक गेंदले, अनुपम इंगले, कोषाध्यक्ष अजीम अली निर्वाचित हुए।

हरे माधव दरबार में मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

रायपुर। महावीर नगर स्थित हरे माधव दरबार साहिब में गुरु पुर्णिमा का पावन पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब के कटनी से पधारे सेवादारों ने हरे माधव सत्संग किया। हरे माधव दरबार साहिब के 1 वर्ष पूरा होने पर माधव बाल संस्कार व वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

खेलकूद परिसर, छात्रावास निर्माण में लापरवाही प्रभारी उपायुक्त निलंबित

रायपुर। वनवासी विकास समिति के लिए 15 करोड़ 23 लाख रुपए की लागत से निर्माणाधीन छात्रावास, खेलकूद परिसर में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में प्रभारी उपायुक्त संदीप साहू को निलंबित किया गया है। श्री साहू का निलंबन आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर किया गया। उनके खिलाफ बगैर प्रशासकीय तथा तकनीकी स्वीकृति के निर्माण कार्य कराने के आरोप हैं।

मिनीमाता स्मृति दिवस 11 अगस्त को, तैयारी को लेकर समाज की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद व सतनामी समाज की गुरुमाता स्व. मिनीमाता की 52वीं पुण्यतिथि पर राजधानी में 11 अगस्त को स्मृति दिवस और प्रतिभा सम्मान का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को न्यू राजेंद्र नगर स्थित गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में सतनामी समाज की बैठक हुई, जिसमें 11 अगस्त को राजधानी में आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम को अंतिम रूप देकर कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां बांटी गईं। साथ ही प्रचार-प्रसार के लिए निमंत्रण कार्ड का वितरण किया गया।

पीईटी में 8 प्रतिशत छात्रों को मिले 50 प्रतिशत से अधिक अंक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा सोमवार को पीपीएचटी अर्थात प्री फॉर्मेसी टेस्ट के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। 80.66 प्रतिशत के साथ स्वाति साहू प्रथम स्थान पर रही हैं। इसके पूर्व पिछले सप्ताह व्यापम द्वारा पीईटी और पीपीटी के परिणामों की घोषणा की गई थी।

अलग खबर

इन तीनों ही प्रवेश परीक्षाओं में 50 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या अत्यंत कम है। पीईटी में शामिल छात्रों में से सिर्फ 7.78% अभ्यर्थी ही ऐसे हैं, जिन्हें 50 प्रतिशत अथवा उससे अंक मिले हैं। पीपीटी और पीपीएचटी में भी यह आंकड़े विशेष अधिक नहीं हैं। पीपीटी में 1.8% और पीपीएचटी में 1.9% छात्र 50 प्रतिशत अथवा उससे अंक हासिल करने में कामयाब रहे हैं। प्रदेश के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में रिक्त सीटों की स्थिति को देखते हुए बीते कई सत्रों से पीईटी में शून्य अंक लाने वाले छात्रों को भी प्रवेश दिए जा रहे हैं। इसके पूर्व इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं में कम से कम 10 प्रतिशत अंक हासिल करने अनिवार्य होते थे।

हालांकि इस बार पीईटी में शून्य अंक किसी को भी नहीं मिला है। 10 से कम अंक भी मात्र एक ही छात्र को मिला है। पीईटी में 12 हजार 68 छात्र शामिल हुए थे।

व्यापम ने सोमवार को जारी किए पीपीएचटी के परिणाम, पीपीटी-पीपीएचटी में मात्र 2% कैंडिडेट्स ने स्कोर किए 50 प्लस

18 हजार ने दिलाई थी परीक्षा, सिर्फ 356 को 50 प्लस

व्यापम द्वारा पीपीएचटी के परीक्षा परिणाम और मेरिट लिस्ट सोमवार को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 18 हजार 371 छात्र प्री फॉर्मेसी टेस्टमें शामिल हुए थे। इनमें से मात्र 356 छात्रों को ही 50 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक हासिल हो सके हैं। जो परीक्षा में शामिल छात्रों का 1.9% है। 12 हजार 857 छात्रों को 25% से अधिक अंक मिले हैं। मात्र एक छात्र को शून्य अंक मिले हैं।

- पीईटी में शून्य अंक किसी को नहीं, लेकिन 12 हजार में से सिर्फ 940 को मिले आधे से अधिक अंक

पीपीटी में किसी को भी 80 प्रतिशत अंक नहीं

प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट के परिणाम भी विशेष उल्लेखनीय नहीं रहे हैं। पीपीटी में एक भी छात्र 80 प्लस स्कोर नहीं कर सका है। प्रथम स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी को 78 प्रतिशत अंक मिले हैं। इसी तरह 50 से अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या सिर्फ 200 है। 8 हजार 637 छात्रों को 25 प्रतिशत अथवा उससे अधिक नंबर मिले हैं। इसमें भी शून्य अंक हासिल करने वाले छात्र सिर्फ एक ही है। 10 हजार 747 छात्रों ने यह परीक्षा दिलाई थी।

डिप्टी सीएम अरुण साव बोले- उद्योगों से बात करके करेंगे समस्या का समाधान

महंगी बिजली के विरोध में स्टील उद्योगों में तालाबंदी, कहा- संचालन संभव नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के स्टील उद्योगों ने महंगी बिजली का हवाला देते हुए सोमवार की रात से प्रदेशभर के दो सौ से ज्यादा स्टील उद्योगों में तालाबंदी कर दी है। उद्योगपतियों का कहना है, महंगी बिजली से उद्योग चलाना संभव नहीं है। ऐसे में हम उद्योग बंद कर रहे हैं।

खास खबर

इस मामले में जहां उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने यह कहा है कि प्रदेश में दूसरे राज्यों से बिजली की कीमत कम है, वहीं यह भी कहा है कि उद्योगों से बात करके समस्या का हल निकाला जाएगा। नियामक बिजली आयोग के पूर्व सचिव पीएन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर स्टील उद्योगों पर भ्रम फैलाने की बात कहते हुए बताया है टैरिफ में बिजली 25 पैसे महंगी की गई है जो चार फीसदी है, जबकि स्टील उद्योग इसको 25 फीसदी बिजली महंगी होने की बात कर रहे हैं। बिजली नियामक आयोग ने जून से बिजली का नया टैरिफ जारी किया है। इसमें सभी वर्गों की बिजली महंगी की गई है। इसके बाद से स्टील उद्योगों ने महंगी बिजली की बात करते हुए मोर्चा खोल दिया है। मुख्यमंत्री से लेकर वित्त मंत्री, उद्योग मंत्री, पॉवर कंपनी के एमडी से स्टील उद्योग मिल चुका है और अपनी मांग सबके सामने रखी है। लेकिन अब तक कोई बात न बनने के कारण उद्योगों ने सोमवार को बैठक करने के बाद सोमवार की रात 12 बजे से उद्योगों में ताला लगाने का फैसला किया है।

साव बोले- उद्योगों से बात करके समस्या का करेंगे समाधान

प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव ने स्टील उद्योगों के बंद करने के फैसले को लेकर कहा, अपने प्रदेश में बिजली की कीमत वैसे भी दूसरे राज्यों से कम है। इसके बाद भी उद्योगों से बात करके उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। हमारी सरकार उद्योगों को हर तरीके से सुविधा पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है।

मुख्यमंत्री को पत्र- भ्रम फैला रहे महंगी बिजली का

बिजली नियामक आयोग के पूर्व सचिव और छत्तीसगढ़ रिटायर पॉवर इंजीनियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पीएन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को स्टील उद्योगों पर महंगी बिजली का भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए बताया है कि 25 फीसदी बिजली महंगी होने की बात स्टील उद्योग कर रहे हैं, जबकि बिजली चार फीसदी महंगी हुई है। लोड फैक्टर में अब भी उद्योगों को 10 फीसदी की छूट है। इसी के साथ पहले ऑफ पीक आवर में 6 घंटे ही बिजली की दर 80 फीसदी लगती थी, उसमें भी दो घंटे का इजाफा किया गया है। जुलाई में जो जून का बिल आया है, उसमें मई का एफपीपीएएस 9.2 फीसदी लगा है। यह जून में कम हो जाएगा, संभव है कि एक फीसदी भी न लगे। अगर प्रदेश सरकार उद्योगों को 50 पैसे प्रति यूनिट की सब्सिडी देगी तो इससे सरकार को 600 करोड़ का भार पड़ेगा। एक रुपए की सब्सिडी पर 12 सौ करोड़ का भार पड़ेगा। राज्य में बिजली आपूंत की दर 6.92 रुपए इससे कम दर पर बिजली देने का एक्ट में ही प्रावधान नहीं है।

सावन की ऐसी मार, रोज 55 लाख अंडों का कम हो गया कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ अंडों के बड़े उत्पादक राज्यों में गिना जाता है। यहां पर रोज 80 लाख अंडों का उत्पादन होता है। इसमें से करीब 35 से 40 फीसदी अंडे दूसरे राज्यों में जाते हैं और बाकी की खपत अपने राज्य में होती है। इस समय सावन की ऐसी मार पड़ रही है कि रोज 55 लाख अंडों का कारोबार कम हो गया है। जहां एक तरफ अपने राज्य में खपत आधी हो गई है, वहीं अन्य राज्यों से कोई डिमांड नहीं है। कुल मिलाकर एक दिन में मुश्किल से 25 लाख अंडों की ही खपत हो रही है। कम डिमांड होने के बाद भी चिल्हर में कीमत ज्यादा है। जहां पोल्ट्री में कीमत 4.20 रुपए है, वहीं थोक में 5.00 रुपए और चिल्हर में 6.00 रुपए है। एक माह तक अंडों का स्टॉक कोल्ड स्टोरेज में करना पड़ेगा।

अंडे खाने के मामले में अपने राज्य के लोग कम नहीं हैं। सामान्य समय में अपने राज्य में रोज 50 लाख से ज्यादा अंडों की खपत होती है। ठंड में जो रोज 80 लाख अंड अपने राज्य के लोग खा जाते हैं। लेकिन सावन के कारण यह खपत 20 से 25 लाख पर आकर अटक गई है। एक माह तक यही स्थिति रहने वाली है। जहां अपने राज्य में अंडों की डिमांड आधी हो गई है, वहीं अन्य राज्यों से भी कोई डिमांड न होने के कारण अंडों का कारोबार करने वाले पोल्ट्री फार्म के कारोबारी परेशानी में हैं।

छत्तीसगढ़ में रोज 80 लाख का उत्पादन, डिमांड महज 30 लाख

चिल्हर में कीमत ज्यादा

अंडों की खपत कम होने के बाद भी चिल्हर में कीमत छह रुपए है। इसको लेकर कारोबारियों का कहना है कि जिन चिल्हर दुकानों में सामान्य समय में दो से तीन हजार अंडों की रोज खपत होती है। सावन में 500 अंडे भी नहीं बिक पा रहे हैं। ऐसे में कम कीमत रखने पर तो दुकानों का खर्च भी नहीं निकल पाएगा।

खपत 70 फीसदी कम

अंडों की खपत 70 फीसदी कम हो गई है। 30 फीसदी खपत ही अपने राज्य में हो रही है। दूसरे राज्यों में अंडा जा ही नहीं रहा है।

- धनराज बैनर्जी, पोल्ट्री कारोबारी

रोज का स्टॉक संभालना बड़ी चुनौती

डिमांड 70 फीसदी कम होने के कारण रोज पोल्ट्री फार्म वालों के पास 55 लाख अंडे बच रहे हैं। इतने ज्यादा अंडों को रखने के लिए ज्यादातर पोल्ट्री फार्म वालों के पास स्थान नहीं है। सावन के पहले सप्ताह के स्टॉक को संभाल लिया गया है, लेकिन अब इस सप्ताह से स्टॉक को गोल्ड स्टोरेज में रखना पड़ेगा। एक माह में करोड़ों अंडों का स्टॉक जमा हो जाएगा। इसके पहले कोरोना काल में लॉकडाउन के समय भी 20 करोड़ से ज्यादा अंडों को कोल्ड स्टोरेज में रखना पड़ा था।

एनआरडीए ने फिर सौंपा उसी एजेंसी को ठेका

बीआरटीएस बस सेवा के कर्मचारी 6 साल से एक वेतनमान में कर रहे ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर से नवा रायपुर के बीच तत्पर बीआरटीएस बस सेवा के कर्मचारी न्यूनतन वेतनमान में पिछले 6 साल से सेवा दे रहे हैं। इसके बाद भी कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया नहीं गया है। वेतन बढ़ाने को लेकर आरंग क्षेत्र के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने नवा रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) को पत्र भी लिख चुके हैं।

इस पत्र के बाद एनआरडीए ने अनुबंध करने वाली एजेंसी साइंस शिक्षण समिति को कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए कोई निर्देश नहीं दिया गया है। इधर सूत्रों से पता चला है कि एनआरडीए ने जिस एजेंसी से बीआरटीएस के कर्मचारी उपलब्ध कराने का अनुबंध किया था, उस एजेंसी का अनुबंध खत्म होने के बाद दोबारा उसी को ठेका दे दिया है। इससे बीआरटीएस के कर्मचारियों में निराशा है।

70 कर्मचारी पदस्थ

बीआरटीएस से अनुबंध करने वाली एजेंसी ने केयर कलेक्शन, सिक्यूरिटी गार्ड व हाउस किपिंग मिलाकर करीब 70 कर्मचारियों को पदस्थ किया है। सूत्र के अनुसार इन सभी कर्मचारियों की सैलरी 9 से 10 हजार रुपए बतायी जा रही है। इन कर्मचारियों का वेतन पिछले 6 साल से एजेंसी ने बढ़ाया नहीं है। इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी व्याप्त है। कुछ कर्मचारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हम लोगों ने मार्च 2024 में इसकी शिकायत आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब से की थी। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों के मांग के समर्थन में एनआरडीए के कार्यपालन अभियंता को पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कर्मचारियों का उचित न्यूनतम वेतन भुगतान कराने की मांग की थी।

बसों के कम संचालन के कारण यात्रियों को खड़े होकर करना पड़ रहा सफर

एनआरडीए ने रायपुर से नवा रायपुर के बीच सफर करने वाले यात्रियों को हर आधे घंटे में बस की सुविधा मिले। इसके लिए 30 बसों की खरीदी की थी। अनुबंध भी 30 बसों संचालन को लेकर किया गया है, लेकिन एजेंसी द्वारा 13 बसों के चलाने के कारण न ही यात्रियों को 30 मिनट के अंदर स्टॉपेजों में न ही बस मिल पाती है और न ही बैठने के लिए सीट। इस कारण यात्री भी मजबूरी में समय पर पहुंचने के लिए खड़े होकर सफर करना पड़ रहा है।

बीआरटीएस की 30 में 13 बसें ही सड़कों पर दौड़ रही

एनआरडीए ने तत्पर बीआरटीएस ने 10 करोड़ से अधिक की राशि खर्च कर 30 एसी बीआरटीएस बसों की खरीदी की थी। इसके लिए नया रायपुर में सुविधायुक्त बस डिपो, वर्कशॉप, इंटेलिजेंट ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम लगाया हुआ है। इन बसों के संचालन के लिए एनआरडीए ने जिस एजेंसी को पूर्व में ठेका दिया है। उस एजेंसी ने कोविड काल से लेकर अनुबंध खत्म होने तक 30 में सिर्फ 13 बसें ही संचालित की थी। इसके कारण रायपुर से नया रायपुर के मध्य यात्रियों को सफर करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था। सूत्र से पता चला है कि एजेंसी का अनुबंध खत्म होने के बाद दोबारा इसका ठेका उसी एजेंसी को दे दिया गया है। इसके कारण एजेंसी मनमाने रूप से अभी भी 13 बसों को ही संचालन सड़कों पर करा रहा है। इसके कारण यात्रियों की परेशानी अभी भी बनी हुई है।

चैंबर संविधान पर फैसला दो दिन बाद, 1 अगस्त को दोबारा सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संविधान पर फैसला लेने सोमवार को दोपहर 12 बजे नवा रायपुर स्थित फर्म्स एवं संस्थाएं कार्यालय में रजिस्ट्रार के समक्ष सुनवाई प्रारंभ हुई। पूर्व चैंबर अध्यक्ष श्रीचंद सुंदरानी, पूर्व विधि-विधायी मंत्री शिव ग्वालानी, पूर्व उपाध्यक्ष वासु जोतवानी की अपील और शिकायत का जवाब देने के लिए रजिस्ट्रार के पास मनमोहन अग्रवाल, जय नैनवानी, उत्तम गोलछा के साथ चैंबर अध्यक्ष अमर पारवानी और चैंबर महामंत्री अजय भसीन तथा चैंबर की तरफ से 4 अधिवक्ता पेश हुए। संविधान पर फैसले को लेकर दोबारा सुनवाई 1 अगस्त को होगी। चैंबर संविधान को लेकर हुई सुनवाई के दौरान अपील के दस्तावेज और संविधान स्टे के दस्तावेज न मिलने की बात कहकर समय मांगा और दस्तावेज भी मांगे।

- नवा रायपुर में रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं कार्यालय में रजिस्ट्रार के समक्ष हुई सुनवाई

मुख्य चुनाव अधिकारी भंसाली ने किया पदभार ग्रहण

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के मुख्य चुनाव अधिकारी शिवराज भंसाली ने सोमवार को चैंबर कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। साथ ही चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति की। प्रकाश गोलछा, बालकृष्ण ढानी, रमेश गांधी, केसी महेश्वरी, अनिल कुचेरिया, महावीर तालेड़ा, संजय देशमुख तथा एसएम रावते चुनाव कार्यालय सचिव, एचएस कर मुख्य निर्वाचन नियंत्रक बैठक में शामिल रहे। बैठक में चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए चर्चा की गई। बैठक के अंत में पूर्व निर्वाचन अधिकारी स्व. संतोष गोलछा व स्व. रमेश बाबरिया को चुनाव प्रक्रिया में योगदान के लिए याद किया गया। इस आशय की जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी शिवराज भंसाली ने दी।

शिकायती पक्षकारों द्वारा दस्तावेज पहले ही दिए जाने की बात कही।

कॉलेज संचालक को सौंपा नोटों का बंडल, छात्रों को ना ठगने का आग्रह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एनएसयूआई द्वारा गैर मान्यता प्राप्त पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट के खिलाफ सोमवार को उग्र धरना-प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने श्रृष्टि पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट पर आरोप लगाते हुए कहा है कि यहां मान्यता के बगैर डीएमलटी और बीएमएलटी पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। एनएसयूआई का कहना है कि इंस्टिट्यूट द्वारा छात्रों को भ्रमित कर एवं गलत जानकारी देकर ठगा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में मेडिकल पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए बनाए गए नियमों का किसी भी स्तर पर पालन नहीं हो रहा है। एनएसयूआई ने कॉलेज डायरेक्टर को नोटों का बंटल देकर आग्रह किया कि वे एनएसयूआई से पैसे ले लें, परंतु छात्रों को ठगना बंद करें। प्रदर्शन के दौरान विशाल कुकरेजा, वैभव मुजेवार, प्रशांत चंद्राकर, जोंटी गिल, दिव्यांश श्रीवास्तव, आलोक सिंह, भूपेन्द्र साहू, रूपेन्द्र जांगड़े, कृश सहारे, तिशीर, यश, रोहन, पार्थ, प्रिंस सहित अन्य एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- बगैर मान्यता पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट संचालित करने का आरोप

मध्यप्रदेश में जाकर देते हैं परीक्षा

रायपुर ग्रामीण अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। एनएसयूआई के अनुसार, रायपुर में बहुत से गैरमान्यता प्राप्त इंस्टिट्यूट का संचालन फर्जी तरीके से किया जा रहा है। छात्रों को इंस्टिट्यूट मान्यता होने का झांसा देकर दाखिला लेती है, किंतु बाद में छात्रों को धोखा मिलता है। बीएमएलटी तथा डीएमलटी पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल से एनओसी प्राप्त करना होता है। इसके अलावा पैरामेडिकल काउंसिल से उक्त पाठ्यक्रम के संचालन के लिए रजिस्ट्रेशन नंबर भी प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इसके अलावा 100 बिस्तरों का अस्पताल होना भी अनिवार्य है, लेकिन प्रबंधन द्वारा दो कमरों में संस्थान का संचालन किया जा रहा है। इन छात्रों को परीक्षा दिलाने मध्यप्रदेश के विभिन्न विश्विद्यालय में ले जाया जाता है।

बिजनेस साइट

पियाली फाउंडेशन कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन में बीएड और डीएड पाठ्यक्रम शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थियों के लिए उनकी रुचि अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रम महाविद्यालयों में स्वयंसेवी संगठनों द्वारा प्रारंभ किए गए हैं। इसी क्रम में पियाली फाउंडेशन कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन ने इस सत्र से स्पेशल एजुकेशन के तहत दो वर्षीय बीएड और डीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है।

संस्थान की प्रमुख मीता मुखर्जी के अनुसार, ये पाठ्यक्रम सभी वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध होंगे और भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। डीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा पास करने की आवश्यकता है, जिसमें 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही प्रवेश मिलेगा। वहीं बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए स्नातक की डिग्री आवश्यक है, जिसमें 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही शामिल किया जाएगा।

बीएड पाठ्यक्रम के लिए छत्तीसगढ़ प्री-बीएड परीक्षा की आवश्यकता नहीं है। इसमें सीधा प्रवेश प्रदान किया जाएगा।

अभियंता संघ की बैठक में विद्युत कंपनी के कई मुद्दों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डगनिया स्थित अभियंता संघ के कार्यालय में सोमवार को अभियंता संघ की कार्यकारिणी की बैठक हुई। जहां उपस्थित कार्यकारिणी ने विद्युत कंपनी के विभिन्न मुद्दों पर संज्ञान किया और ओपीएस के मुद्दे पर एक सुर में लागू करने का निर्णय लिया। इसके अलावा टेक्नीकल अलाउंस, इंजीनियर्स के प्रमोशन, पुरानी सीआर पद्धति को लागू करने इत्यादि मुद्दों पर निर्णय लिया गया। एमडी भीम सिंह का स्वागत करते हुए संघ ने सभी पर चर्चा कर जल्द पूरा करने का भरोसा दिया। इसके पूर्व कंपनी के एमडी डिस्ट्रीब्यूशन का स्वागत कार्यकारिणी ने किया।

बैठक में अध्यक्ष ईआर राजेश पांडेय, महासचिव डॉ. ईआर मनोज वर्मा के अलावा इंजी. राकेश शर्मा, इंजी. आशीष अग्निहोत्री, इंजी. करुणेश यादव, इंजी. शशांक एवं उत्पादन कंपनी के अन्य इंजीनियर शामिल हुए।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

हटकेश्वर नाथ

नरहरेश्वर महादेव

श्री झंडा वाले बाबा, मोवा

शिव बजरंग मंदिर, जोरापारा

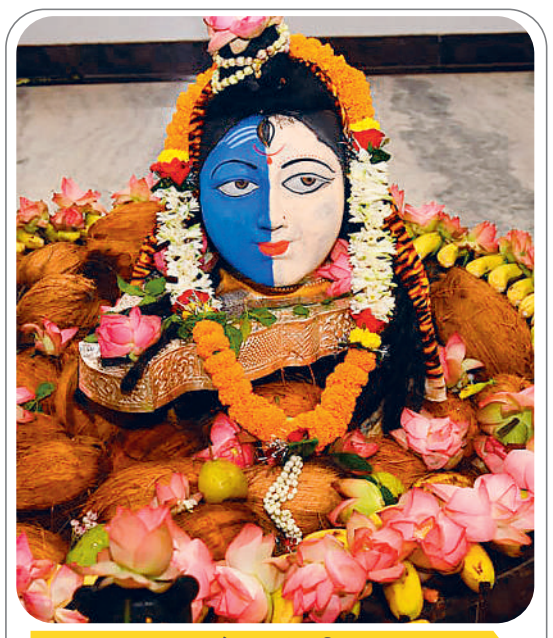

108 कमल पुष्प से अर्द्धनारीश्वर का श्रृंगार

सुरेश्वर महादेव पीठ में श्रवण मास के कृष्ण पक्ष के द्वितीय सोमवार को भगवान शिव का विशेष पूजन प्रातः कालीन 3:30 से प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम दूध से स्नान कराया गया। तत्पश्चात दही, शहद, घी, शक्कर, पंचामृत एवं विशेष रूप से कृष्ण पक्ष की नवमी होने के कारण अनार के रस द्वारा भगवान का अभिषेक किया गया। स्वामी राजेश्वरानंद ने बताया, द्वितीय सोमवार को महादेव ने अर्द्धनारीश्वर रूप में दर्शन दिए। 108 कमल के फूलों उनका श्रृंगार किया गया।

वैद्यनाथ धाम, मोतीबाग

सरोना स्थित शिव मंदिर के अनुराग गोस्वामी ने बताया कि शिव भगवान को प्रिय पुष्पों से उनका श्रृंगार किया गया। बेलपत्र और धतूरे के साथ चंदन का भी प्रयोग हुआ। बस स्टैंड स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में सुबह 5 बजे प्रथम आरती हुई। इस दौरान चंदन और पुष्प से श्रृंगार किया गया। संध्या आरती पश्चात रजत मुकुट से महादेव का श्रृंगार हुआ। यहां मध्यरात्रि तक भक्तों के लिए पट खुले रहे। पं.रविशंकर शुक्ल विवि परिसर स्थित शिव मंदिर, नवागांव शिव मंदिर में भी आरती-श्रृंगार हुआ।

शिव के प्रिय पुष्पों से श्रृंगार

श्रावण मास का द्वितीय सोमवार : अधिकतर मंदिरों में हरित थीम पर किया गया महादेव का श्रृंगार

शिवालयों में हरियाली... प्रकृति से प्रेरित रहा श्रृंगार

बेल, धतूरा-भांग सहित चंदन व पुष्प से सजे महादेव

सावन मास के प्रथम सोमवार को जहां भव्य रूप में महादेव का श्रृंगार किया गया था, तो वहीं दूसरे सोमवार को शहर के अधिकतर शिवालयों में हरित थीम पर महादेव का श्रृंगार किया गया। गर्भगृह सहित मंदिर परिसर को बेल, धतूरा, शमी, भांग व आम के पत्तों सहित केले के वृक्ष से श्रृंगार किया गया। इसके अलावा फूलों और चंदन का ही प्रयोग अधिकतर देवालयों में शिवलिंग के श्रृंगार के लिए किया गया।

महामाया मंदिर

हरदेव लाला मंदिर, टिकरापारा

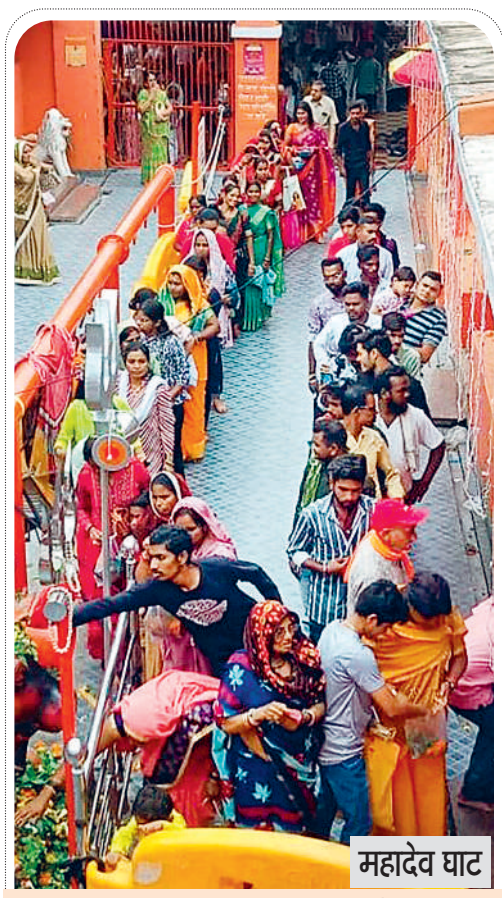

महादेव घाट

रजनीगंधा व जूही के फूलों से दिया यौवन स्वरूप

महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर में महादेव का यौवन स्वरूप देखने को मिला। रविवार मध्यरात्रि के बाद श्रृंगार प्रारंभ कर दिया गया था। मंदिर के पं.सुरेश गिरी गोस्वामी ने बताया कि रजनीगंधा और जूही के फूलों से भोलेनाथ का श्रृंगार किया गया। इसके अलावा आंकड़े की माला भी पहनाई गई। शहर में सर्वाधिक भीड़ महादेव घाट में ही रही। नरहरेश्वर महादेव मंदिर के पं.देवशरण शर्मा ने बताया, अखंड रामायण पाठ मंदिर में जारी है। दूसरे सोमवार को विविध रंगों के फूलों का प्रयोग करते हुए मंदिर परिसर को सजाया गया।

गणेश शिव मंदिर, बूढ़ापारा

नीलकंठेश्वर मंदिर

रायपुर। बारिश थमने के कारण द्वितीय सोमवार को प्रथम सोमवार की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक भीड़ रही। मंदिरों में तड़के प्रारंभ हुआ दर्शन का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। अखंड रामायण पाठ, भजन-कीर्तन का भी दौर लंबे वक्त तक चला। मंदिरों में चढ़ावा लेकर भक्त पहुंचते रहे। इसके कारण थोड़ी-थोड़ी देर में मंदिर प्रबंधन द्वरा चढ़ावे की सामग्री बाहर निकाली जाती रही। महादेव घाट, बूढ़ेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर सहित अन्य बड़े मंदिरों में रविवार रात्रि ही पूजन सामग्री के लिए स्टॉल सजने प्रारंभ हो गए थे। सोमवार रात्रि तक बेलपत्र, धतूरा, शमी के पत्ते, नारियल सहित अन्य सामग्री की खरीदी होते रही।

बढ़ने लगी कांवड़ियों की संख्या

मंदिरों में कांवड़ियों की संख्या अब बढ़ने लगी है। उनकी सेवार्थ मंदिर प्रबंधन और समितियों द्वारा भी अपने स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। खास बात यह है कि इस बार शहर में महिला कांवड़ियों की संख्या भी बढ़ी है। बच्चे भी इसमें शामिल हो रहे हैं। लगभग प्रत्येक मंदिरों में कांवड़ रखने की व्यवस्था की गई है।

महामाया मंदिर

हल्दी व लाल चंदन से अभिषेक

बूढ़ेश्वर महादेव में सोमवार को हरियाली श्रृंगार किया गया। जिसमें शमी, आम, केले, बेलपत्र, कड़वा नीम के पत्तों का उपयोग किया गया था। हल्दी व लाल चंदन से अभिषेक के साथ विशेष सजावट की गई थी। इस अलौकिक श्रृंगार को देखने देर रात तक भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। गर्भगृह के साथ ही पूरे परिसर को फूल-पत्तियों का प्रयोग करके सजाया गया। सावन की छटा यहां देखने लायक रही।

शिव तांडव स्त्रोत पाठ

कॉलोनियों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी विशेष पूजन रखा गया। चौबे कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल में विभिन्न केंद्रों की महिला श्रद्धालुओं ने मिट्टी के पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और उसे प्रतिष्ठित कर उसकी पूजा-अर्चना की। आचार्य चेतन गोविंद दंडवते ने बताया, शिव तांडव स्तोत्र का पाठ सदस्यों द्वारा किया गया। इसके पश्चात पूजन के अन्य विधान हुए। बसंत विहार कॉलोनी गोंदवारा स्थित कैलाश गिरी शिव मंदिर में समिति के अध्यक्ष नाथूराम साहू, मंदिर के पुजारी कौशल शर्मा सहित अन्य कालोनिवासियों द्वारा भगवान शिव का रूद्राभिषेक कर मंगल कामनाएं की गईं।

खमतराई कांवड़ यात्रा

फूलों के बढ़े दाम, बेलपत्र भी मंहगे

भोलेनाथ के प्रिय फूलों के दाम अन्य दिनों की तुलना में अधिक रह। कनेर के फूलों से बनी छोटे आकार की माला 20 रुपए तक में बिकी। कई स्थानों में बेलपत्र 10 रुपए के 7 ही दिए गए। गेंदे के अलावा रजनीगंधा और गुलाब के फूलों से बनी माला की बिक्री हुई। राम नाम लिखे हुए आक के पत्तों की माला भी भक्तों द्वारा बनाई गई। जोरापारा स्थित बजरंग-शिव मंदिर में आक के पत्तों से विशेष श्रृंगार हुआ।

एजूकेशन अपडेट

सीए फाउंडेशन के परिणाम घोषित

20 से 26 जून तक हुई थी परीक्षा

रायपुर। 'द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' (आईसीएआई) द्वारा जून 2024 सत्र के लिए आयोजित चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) फाउंडेशन कोर्स की परीक्षाओं के परिणाम सोमवार को घोषित कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट आधिकारिक पोर्टल, icai.nic.in पर क्लिक करके चेक कर सकते हैं। जो उम्मीदवार आईसीएआई द्वारा जून 2024 सत्र की सीए फाउंडेशन परीक्षाओं में सम्मिलित हुए थे, वे अपना परिणाम जानने और अंकतालिका डाउनलोड करने के लिए आधिकारिक पोर्टल, icai.nic.in पर करें। फिर स्टूडेंट्स को इस पोर्टल के होम पेज पर ही एक्टिव किए जाने वाले सीए फाउंडेशन परिणाम लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद नए पेज पर स्टूडेंट्स अपना रोल नंबर भरकर सब्मिट करके परिणाम स्क्रीन पर देख सकेंगे।

आवश्यक है प्रत्येक प्रश्नपत्र में 40 फीसदी अंक

आईसीएआई द्वारा सीए फाउंडेशन जून 2024 सत्र की परीक्षाओं का आयोजन 20, 22, 24 और 26 जून तारीखों पर किया गया था। परीक्षाएं प्रत्येक तारीख पर तीन घंटे की एकल पाली में आयोजित की गई थीं, जो कि दोपहर 2 बजे शुरू हुई थीं। इन परीक्षा में सफल घोषित किए जाने के लिए स्टूडेंट्स को प्रत्येक पेपर में कम से कम 40 फीसदी और कुल 50 फीसदी से अधिक अंक अर्जित करने होंगे। राजधानी रायपुर से भी बड़ी संख्या में छात्र इस परीक्षा में शामिल हुए थे। गौरतलब है कि फाउंडेशन एग्जाम क्लीयर करने वाले कैंडिडेट्स सीए इंटर में प्रमोट होंगे। रिजल्ट से संबंधित किसी समस्या के समाधान के लिए छात्र आईसीएआई से संपर्क कर सकते हैं।

कैंपस लाइव

रविवि की पूरक परीक्षाएं 21 अगस्त से, समय-सारिणी जारी

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि की पूरक परीक्षाओं का आयोजन 21 अगस्त से किया जाएगा। रविवि द्वारा इसके लिए समय-सारिणी भी घोषित कर दी गई हैं। ये परीक्षाएं सितंबर तक चलेंगी। छात्र रविवि की आधिकारिक वेबसाइट में जाकर समय-सारिणी देख सकते हैं। इसके अलावा महाविद्यालयों को भी टाइम-टेबल भेज दिए गए हैं।

पुनर्मूल्यांकन में बीकॉम के 155 छात्र पूरक से पास

रविवि ने बीकॉम प्रथम वर्ष के पुनर्मूल्यांकन परिणामों की भी घोषणा कर दी है। पुनर्मूल्यांकन के बाद 44 छात्र फेल से पास की श्रेणी में आ गए हैं। फेल से पूरक की श्रेणी में 118 छात्रों को रखा गया है। वहीं 155 छात्र पूरक से पास घोषित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 370 छात्रों के अंकों में वृद्धि हुई है, लेकिन उनके परिणाम अपरिवर्तित रहे। 164 छात्रों के अंक कम भी हुए हैं।

बीएएलएलबी में 40 प्रतिशत छात्र सफल

सोमवार को रविवि द्वारा आधा दर्जन सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम जारी किए गए। इसमें बीएएलएलबी पार्ट-5 के दूसरे सेमेस्टर का परिणाम 39.76 प्रतिशत रहा। 166 छात्रों ने यह परीक्षा दिलाई थी। इनमें से 66 छात्र ही सफल हो सके हैं। इसके अलावा एलएलएम पार्ट-3 के दूसरे सेमेस्टर के परिणाम भी जारी कर दिए गए। परीक्षा में शामिल 334 छात्रों में से 270 अर्थात 80.84 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। एमए समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा दिलाने वाले 318 छात्रों में से 256 अर्थात 80.5 प्रतिशत छात्र सफल रहे हैं। इसके अलावा रूरल डेव्लपमेंट और एम क्लासिक प्राच्य संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम भी रविवि ने अपने वेबसाइट में अपलोड कर दिए हैं।

समाज इवेंट

संगठन हित में कार्य करने शपथ दिव्यांगों को जयपुर पैर वितरण

समाज कार्य में सहयोग का संकल्प

रायपुर। विप्र फाउंडेशन की छत्तीसगढ़ कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण राजधानी के वृंदावन हाल में संपन्न हुआ। फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। प्रदेश अध्यक्ष कचरू प्रसाद शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष दीपाली शर्मा, जोनल संगठन महामंत्री प्रद्युम्न सारस्वत, महामंत्री राजाबाबू सारस्वत, प्रदेश संयोजक मुल्कराज शर्मा, रायपुर जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा समेत प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने संगठन हित में काम करने की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में जरूरतमंद 6 दिव्यांगजनों को वॉकर, व्हीलचेयर और जयपुर पैर भी वितरित किए गए।

सदस्यों से फाउंडेशन के विभिन्न प्रकल्पों के प्रचार-प्रसार और सहयोग करने की अपील की गई। विप्र फाउंडेशन के शिक्षा, कन्या विवाह एवं परशुराम कुंड प्रकल्प के संबंध में सदस्यों को जानकारी दी गई। सदस्यों ने भी समाज के अभियान में सहयोग करने और इससे जुड़ी जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीए राजू शर्मा, चरण शर्मा, सोनाली शर्मा, दीपक शर्मा समेत प्रदेशभर से आए संगठन के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेश के विभिन्न समाज ने बनाई अपनी वेबसाइट, विज्ञापन के जरिए कमाई भी

समाज ने तैयार किया ऐप और वेबसाइट, एक क्लिक में मिल रही समाज की सूचना, बायोडाटा भी कर रहे अपलोड

स्मार्ट युग में रिश्ते भी अब हाईटेक होने लगे हैं। सेवाभावी कार्यों के लिए पहचान बना चुका अग्रवाल समाज अब सभी लोगों को एक क्लिक पर जानकारी उपलब्ध कराएगा। अग्रवाल सभा के नाम से अग्रवाल समाज ने वेबसाइट और एप लांच किया है। इस वेबसाइट और एप पर एक क्लिक में ही समाज के लोग जान सकेंगे कि समाज की कितनी समितियां हैं, उसमें कितने सदस्य हैं, उनका नाम, पता, गोत्र सहित परिवार में कितने लोग हैं, विवाह योग्य कितने लोग हैं, आदि की जानकारी मिल जाएगी।

रायपुर। इसके माध्यम से समाज के लोग जान सकेंगे कि आगे क्या कार्यक्रम होने वाले हैं। शिक्षण समिति, महिला समिति, नवयुवक समिति, अग्रवाल सभा आने वाले समय में क्या-क्या करने वाली है। समाज के लोग इसमें सदस्य भी बन सकते हैं। इस वेबसाइट में सदस्यों के नाम के साथ स्थान और गोत्र भी बताया गया है। इससे शादी के रिश्ते को लेकर भी समाज के लोगों को आसानी होगी। इसका उद्घाटन अग्रवाल सभा के अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल द्वारा किया गया।

मिल रही समाज के नियमों जानकारी

कुर्मी व साहू समाज ने भी वेबसाइट तैयार की है, जिसमें समाज की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी अपलोड की जाती है। कुर्मी समाज के नाम से बनी वेबसाइट में समाज के इतिहास से जुड़ी जानकारी विस्तार से दी गई है। इसके अलावा विभिन्न वैवाहिक परिचय और सदस्य की जानकारी, पत्रिका समेत समाज के नियमों जानकारी एक जगह मिल रही है। समाज के मुताबित वेबसाइट के जरिए समाज के लोगों को जोड़ा जा रहा है। इसी तरह साहू समाज ने भी वेबसाइट के जरिए नई सुविधा दी है।

युवक-युवती अपलोड कर सकते हैं अपना बायोडाटा

वेबसाइट और ऐप में ये भी स्थान दिया गया कि समाज के युवक और युवती अपना बायोडाटा इस पर अपलोड कर सकते हैं। इससे समाज में शादी के लिए रिश्ते ढूंढने में आसानी होगी। आपस में एक-दूसरे के बारे में जानकर रिश्ते जोड़ सकते हैं। इसके अलावा बैठक में अग्रवाल समाज के अग्रसेन जयंती समारोह को लेकर चर्चा हुई। समाज को पूरे साल इसका इंतजार रहता है। ऐसे में समाज द्वारा अग्रसेन जयंती की 6 महीने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी जाती है। बैठक में सभी की सहमति से महेश सुल्तानिया को जयंती समारोह का अध्यक्ष बनाया गया। अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह पिछले वर्ष जयंती समारोह के सभी कार्यक्रम बहुत ही व्यवस्थित और रोमांचक हुए थे, उसी प्रकार इस वर्ष भी अग्रवाल नवयुवक समिति के साथ मिलकर कार्यक्रमों को और अच्छा बनाने की कोशिश करेंगे। यह जानकारी भी वेबसाइट में अपलोड की जाएगभी।

घर बैठे रिश्ता ढूंढना हुआ आसान

अखिल भारतीय वैश्य कसौधन समाज द्वारा युवक-युवतियों के बायोडाटा की 2 से ज्यादा पत्रिका छप चुकी है। साथ ही वेबसाइट बनाई गई है, जिसमें सभी की जानकारी है। ग्रुप भी बनाया गया है। इसे भी समय-समय पर अपडेट किया जा रहा है। वेबसाइट पर विधवा, तलाकशुदा, पूर्ण मांगलिक व समाज के युवक-युवतियों की संपूर्ण जानकारी भी समाहित है। इससे घर बैठे रिश्ता ढूंढना आसान हो गया है। वेबसाइट के जरिए समाज से जुड़ी सभी गतिविधियों को जानकारी लोगों को मिलती रहती है। जानकारी मुताबिक बड़े समाज के वेबसाइट विज्ञापन के जरिए कमाई भी कर रहे हैं। इसका इस्तेमाल समाज कार्य में हो रहा है।

लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने में मिल रही है मदद

कोसरिया मरार पटेल समाज ने मोबाइल ऐप तैयार किया है। इसमें कौन कितना पढ़ा-लिखा है और क्या काम करता है, घर में कितने सदस्य हैं, इसके सहित सभी जानकारी एक क्लिक में मिल जाती है। समाज का कहना है कि ऐप से लोगों को बड़ी मदद मिल रही है। ऐप बनाने का यही उद्देश्य था कि लोग घर बैठे मोबाइल स्क्रीन पर रिश्तों की तलाश कर पाएं। इस ऐप से प्रदेशभर में समाज के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने में भी यह मदद मिली है।

रेल नाट्य उत्सव में रायपुर मंडल और बिलासपुर ने दी नाट्य प्रस्तुति

दिलों को छू गया कालीदास और मल्लिका का प्रेम गरीबी व अमीरी में फंसे प्यार ने दिखाया यथार्थ

रायपुर। रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार अखिल रेल नाट्य उत्सव में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भी हिस्सा लिया। सोमवार को प्रेक्षागृह में प्रधान कार्यालय समेत रायपुर व बिलासपुर मंडल द्वारा नाटक का मंचन हुआ। पहले नाटक की कहानी में मिलन भी था और बिछोह भी। बिछोह भी ऐसा जो फिर कभी मिलन में न बदल सका, फिर भी प्रेम तो अमर होता है चाहे अपने प्रिय का साथ मिले या ना मिले। इसी तरह कालीदास और मल्लिका का भी प्रेम अमर हो गया, कुछ यही दिखाया गया नाटक आषाढ़ का एक दिन में। नाट्य मंचन में कलाकारों ने दर्शकों को अहसासों की बारिश से सराबोर कर दिया। कालिदास की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होती है और वह एक युवती से प्यार करता है, जिसका नाम मल्लिका है। दूसरी ओर मल्लिका से एक अन्य लड़का भी प्यार करता है, जिसका नाम विलोम है वह पैसा वाला होता है। मल्लिका की मां अंबिका, कालिदास और मल्लिका को जल्द शादी करने को कहती है, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण कालिदास मना कर देते हैं।

'मुर्गीवाला' में नजर आया संघर्ष

दूसरा नाटक 'मुर्गीवाला' रायपुर मंडल द्वारा प्रस्तुत किया गया। लेखक प्रेम साईमन का यह नाटक आम आदमी के दैनिक जीवन संघर्षों की कहानी बयां करता है और दमन, शोषण और अन्याय के विरूद्ध लोगों को संघर्षशील व संगठित होने का आह्वान करता है। तीसरा नाटक 'सत्य हरिश्चंद्र' बिलासपुर मंडल के नाट्य दल द्वारा प्रस्तुत किया गया। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा रचित इस नाटक में दिखाया गया कि सत्य के पथ पर चलने वाले व्यक्ति को कितना कष्ट उठाना पडता है। बिलासपुर के उप महाप्रबंधक समीर कांत माथुर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

यथार्थ और भावना का द्वंद्व

इसी बीच एक दिन कालिदास को उज्जैन के राजा का संदेश आता है कि वह राज्य पर आकर राज कवि का कार्य करें। कालिदास उज्जैन जाकर राजकुमारी के साथ शादी कर लेते हैं। ससुर कालिदास को जम्मू में सियासत को देखने को भेजते हैं। जम्मू जाने के बाद उसे फिर से मल्लिका की याद आती है और वह वहां से सब कुछ छोड़कर वापस आ जाता है। जब वह वापस आता है तो देखता है कि मल्लिका विलोम के साथ रह रही है और उसके पास एक बेटी भी है। मल्लिका और कालिदास के प्रेम को आधार बनाकर नाटककार मोहन राकेश द्वारा यथार्थ और भावना के द्वंद्व को दिखाया गया है। नाटक के जरिए कलाकारों ने संदेश दिया कि गरीबी कभी सदा नहीं रहती और अमीरी को आने में समय नहीं लगता।

एनआईटी का 'नुक्कड़ नाटक' बताया कैसी हो सुरक्षित यात्रा

रायपुर। एनआईटी के छात्रों ने 'अंतिम यात्रा' शीर्षक से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया, जिसमें लोगों को सुरक्षित यात्रा का सार्थक संदेश दिया गया। छात्रों ने अपने अभिनय और प्रेरणादायी संवाद से दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। नाटक में कभी हास्य तो कभी गंभीरता के साथ ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूक किया गया। छात्रों ने बताया कि हमारा उद्देश्य नाटक के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाना है, ताकि वे रेल सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और अपने आसपास होने वाली किसी भी अनियमितता की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दें।

नाटक में हास्य रस की रही प्रधानता

दुर्घटना को आमंत्रित करता है ईयर फोन

छात्रों ने नाटक के जरिए बताया कि लोगों की लापरवाही के कारण भी कई बार रेल दुर्घटना हो जाती है। जल्दबाजी में बंद रेलवे फाटक को पार करना खतरनाक हो सकता है। कानों में ईयर फोन लगाकर पटरी पार करना जोखिम भरा हो सकता है। इन बातों को नाटक के माध्यम से बताया गया। नाटक के सभी पात्रों ने जीवंत अभिनय किया। इस दौरान रेलवे के नियमों का पालन करने की सीख भी दी गई। वही सुरक्षित यात्रा करने के बारे में भी बताया। इस दौरान पार्षद प्रकाश जगत, डॉ. समीर वाजपाई, डॉ. नीतिन कुमार जैन समेत छात्रों में अमरराम, प्रियांशु, कन्हैया, मुरली मनोहर,ऋषभ, सत्यम, अनमोल, हिमांशु समेत हिनेश और श्वेत राज उपस्थित रहे।

महिला संगठनों का सावन उत्सव... प्रत्येक आयु वर्ग की महिलाएं हुईं शामिल

सोलह श्रृंगार कर पहुंची महिलाएं, हरे रंग के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश, सावन क्वीन बनने खास अंदाज में रैंपवॉक

कार्नर न्यूज

रायपुर। छग प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय महिला समाज के तत्वाधान में तीज मिलन बैठक बैस भवन, सुंदर नगर में हुआ। सर्वसम्मति से 10 अगस्त को तीज मिलन कार्यक्रम होना तय किया गया। इसमें पारंपरिक खेल फुगड़ी सहित फैंसी ड्रेस का आयोजन होगा। समाज की व्यवसायिक महिलाओं द्वारा स्टॉल भी लगाया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता चंद्राकर, प्रदेश अध्यक्ष तारा चंद्राकर, प्रेमलता मदरिया, भगवती चंद्राकर, डॉ. मुक्ति बैस, राजेश्वरी चंद्रवंशी सहित विभिन जिलों की सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

दिखाई नृत्य प्रतिभा

एक्टिव महिला मंडल द्वारा सावन उत्सव का आयोजन आयोजित किया गया। होटल अश्विन प्राइड में रखे गए इस उत्सव में रैंपवॉक, सावन क्वीन, गेम्स, डांस आदि का आयोजन किया गया। इसमें सर्व समाज ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छोटी बच्चियों से लेकर हर उम्र की महिलाओं ने भाग लिया। विभिन्न तरह की गतिविधियों में 80 महिलाएं शामिल हुईं। सभी को पुरस्कृत किया गया। रैंपवॉक में जहां महिलाओं का फैशन सेंस दिखाई दिया वहीं डांस कंपीटिशन में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर सावन क्वीन का चुनाव किया गया। डॉ.सपना कुकरेजा, डिंपल शर्मा, सुषमा तिवारी, चंचल, महक बजाज, भूमि आहूजा, पूजा धामेचा सहित सदस्य शामिल हुईं।

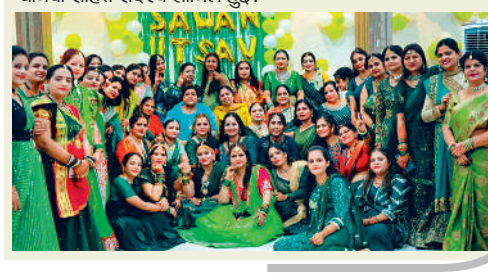

हरित परिधान में गाए सावन गीत

महिला कतिया समाज की ओर से सावन महोत्सव का आयोजन शहर के एक निजी समुदायिक भवन कुशालपुर में किया गया। इस महोत्सव में गीत-संगीत की धुन पर महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन किया। महोत्सव में महिलाएं हरे रंग के परिधान में शामिल हुई। इस मौके पर महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष राजश्री कोशले, रितू गढ़ेवाल, निकिता, प्रियंका, बिंदिया, दिव्या सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

चम्मच दौड़ में याद आया बचपन

पुलिस कॉलोनी अमलीडीह में बीसी ग्रुप की महिलाओं द्वारा सावन महोत्सव मनाया गया। जिसमें सभी महिलाएं हरी साड़ियां और हरी चुड़ियां पहनी हुई थी। वहीं विविध खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, रैंप वाक, अन्ताक्षरी में महिलाओं ने भाग लिया। वहीं इसका मुख्य आयोजन पल्लवी भारद्वाज द्वारा किया गया।

ज्योतिष शास्त्र

अगस्त में इन राशियों का शुरू हो सकता है गोल्डन टाइम

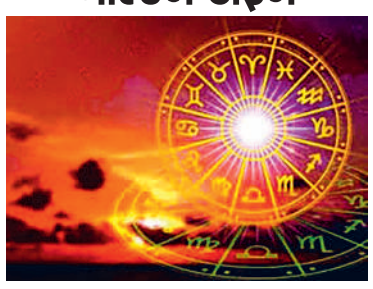

वैदिक ज्योतिष में ग्रहों को सूर्य का राजा माना गया है। साथ ही सूर्य देव मान- सम्मान, आत्मविश्वास, सरकारी नौकरी और पिता के कारक है। इसलिए जब भी सूर्य देव की चाल में बदलाव होता है। इन सेक्टरों पर खास प्रभाव देखने को मिलता है। आपको बता दें कि सूर्य देव अगस्त में अपनी स्वराशि सिंह में प्रवेश करने जा रहे हैं, जिससे सूर्य देव महाबलशाली होंगे। जिससे कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही मान- सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो सकती है।

तुला राशि : तुला राशि के जातकों के लिए सूर्य देव का गोचर लाभप्रद सिद्ध हो सकता है क्योंकि सूर्य देव आपकी राशि से इनकम और लाभ स्थान पर गोचर करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपकी आय में जबदस्त लाभ हो सकता है। वहीं आर्थिक मामलों में आपको जबर्दस्त लाभ होगा और इस महीने आप किसी नई प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त कर सकते हैं।

कर्क राशि : सूर्य देव का गोचर कर्क राशि के जातकों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है क्योंकि सूर्य देव आपकी राशि से धन और वाणी स्थान पर गोचर करने जा रहे हैं। जिससे इस समय आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। वहीं विवाहित लोगों के लिए जीवन खुशहाली से भरा होगा। वहीं आप इस महीने कोई नया वाहन और प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं और करियर में आपको नए और बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं।

धनु राशि : धनु राशि के जातकों के लिए सूर्य देव का राशि परिवर्तन फायदेमंद साबित हो सकता है क्योंकि सूर्य देव आपकी राशि से नवम भाव पर संचरण करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपका भाग्योदय हो सकता है। साथ ही करियर में सकारात्मक बदलाव होंगे तो कारोबार में भी आपकी शानदार कमाई होगी। बेरोजगार लोगों के हाथ में नए अवसर लगेंगे।

काफी जिज्ञासु होते हैं इन राशियों के जातक, कभी शांत नहीं होती कुछ नया सीखने की ललक

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो हर राशि में कुछ न कुछ ऐसी खूबी जरूर होती है जो उसे दूसरों से अलग बनाती है। वहीं कुछ ऐसे गुण भी हैं जो एक साथ कई राशियों में देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें अत्यंत जिज्ञासु प्रकृति का माना जाता है। इन राशियों के लोग बाल की खाल निकलाने वाले होते हैं, यानि हर चीजों को गहराई से जानना इनको शौक होता है। इनको कुछ नया सीखने को मिले तो इनकी आंखें चमक उठती हैं। आइए जानते हैं इन राशियों के बारे में।

मिथुन : सबसे अधिक जिज्ञासु राशियों की श्रेणी में पहला स्थान आता है मिथुन राशि का। मिथुन राशि के लोग हर समय नई चीजें सीखने की कोशिश में रहते हैं। उनकी बातचीत करने की कला उन्हें दूसरों से अधिक जानकारी हासिल करने में मदद करती है। वे हर विषय में रुचि रखते हैं और हमेशा कुछ नया जानने की चाह रखते हैं।

धनु : धनु राशि के स्वामी ग्रह बृहस्पति देव हैं जो ज्ञान और विवेक के कारक ग्रह माने जाते हैं। इसलिए धनु राशि के लोगों में भी नई चीजों को सीखना का गुण देखने को मिलता है। इस राशि के लोग भी स्वभाव से बहुत जिज्ञासु होते हैं। इस राशि वाले बड़ी उम्र तक भी अपने ज्ञान का विस्तार करने के प्रयास में रहते हैं। यात्रा करना और विभिन्न संस्कृतियों को जानना इनकी प्रमुख रुचि होती है। ये लोग आध्यात्मिक भी होते हैं और सत्य को जानने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

कुंभ : गहरी सोच रखने वाले कुंभ राशि के लोग भी हर चीज को जानने की उत्सुकता अपने अंदर रखते हैं। खास बात है कि, चीजों को समझने का इनका अलग दृष्टिकोण होता है। हर तरह का ज्ञान ये प्राप्त करना चाहते हैं और साथ ही नयी खोज या आविष्कार भी इस राशि के लोग कर सकते हैं।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोग रहस्यमयी स्वभाव के होते हैं, भले ही ये आपको शांत दिखें लेकिन जानना इनको सब कुछ होता है। छोटी-छोटी बातों के लेकर भी ये बेहद उत्सुकता प्रकट कर सकते हैं। इनकी यही जिज्ञासा जासूसी और शोध के क्षेत्र में इन्हें अव्वल बनाती है।

कन्या : इस राशि के लोगों को अच्छा विश्लेषक माना जाता है। हर काम को बेहद सावधानी और बारीकी से करना इनका गुण होता है। साथ ही हर चीज के वास्तविकता जानने के लिए भी ये उत्सुक रहते हैं। इनकी जिज्ञासा करियर के क्षेत्र में इन्हें उन्नति दिलाती है।

बीमारियों को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण

मानसूनी बीमारियों से सुरक्षित रहने के लिए अपनाएं खान-पान से जुड़ी स्वस्थ आदतें

मानसून का मौसम गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन यह कई तरह की बीमारियों की चिंता भी साथ लेकर आता है, खासतौर से भोजन और जल-जनित बीमारियों से जुड़ी। फूड पॉइजनिंग, हैजा, टाइफाइड और पेट का फ्लू जैसी बीमारियों को रोकने के लिए बारिश के मौसम में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी खान-पान से जुड़ी आदतें बताते हैं, जो मानसून के दौरान आपको स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं।

साफ पानी पीएं

मानसून के दौरान दूषित जल स्त्रोतों के कारण जलजनित बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। इसलिए इस मौसम में हमेशा उबला हुआ, फिल्टर किया या ढका हुआ साफ पानी ही पीएं। इसके अतिरिक्त सड़क विक्रेताओं जैसे अविश्वसनीय स्त्रोतों से पानी या बर्फ का सेवन करने से बचें। बैक्टीरिया और वायरस को खत्म करने के लिए घर पर वॉटर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें।

रसोई को हमेशा साफ रखें

खान-पान की चीजों पर कीटाणुओं के प्रसार को रोकने के लिए रसोई का साफ होना जरूरी है और हाइजीन का भी खास ध्यान रखें। जैसे की भोजन को छूने से पहले हाथों को साबुन और पानी से धो लें। इसके अतिरिक्त रसोई के फर्श, स्लैप, बर्तन और कटिंग बोर्ड आदि को गर्म साबुन के पानी या कीटाणुनाशक घोल से साफ करें। साथ ही कूडेदान को रोजाना खाली करें और ढंककर रखें।

खाने को अच्छे से पकाकर खाएं

जितना महत्वपूर्ण बाहर से लाई गई चीजों को धोकर खाना है, उतना ही जरूरी उन्हें अच्छे से पकाकर खाना भी है। अधपके खाने में कीटाणु नष्ट नहीं होते हैं और ऐसा खाना खाने से फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसलिए हमेशा बाहर से लाई गई सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों को अच्छे से पकाकर ही खाएं क्योंकि उच्च तापमान पर खाना पकाने से कीटाणु मर जाते हैं और हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचता है।

बासी खाने का न करें सेवन

बासी खाना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं माना जाता है क्योंकि यह शरीर को कई बीमारियों का घर बना सकता है। हालांकि, अगर आप बासी भोजना खाना भी चाहते हैं तो ताजे खाने को हमेशा किसी साफ डिब्बे में ढंककर रखें, जिससे कीटाणु खाने तक न पहुंचे। खाने को खुले में छोड़ने से कीटाणु उस पर चिपक सकते हैं और ऐसे खाने का लगातार सेवन करने से कई तरह की बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है।

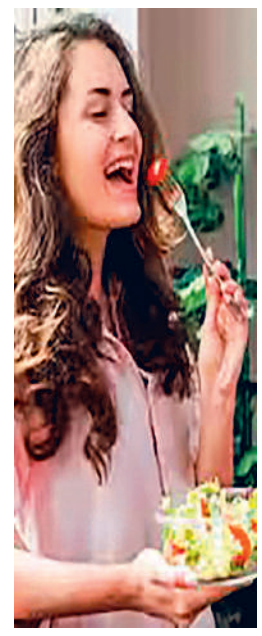

विटामिन बी-12 का पावरहाउस हैं ये 10 हेल्दी जूस, पीते ही लौट आती है ताकत

सुबह उठने से लेकर रात सोने तक और सोते समय भी शरीर और उसके अंग कई काम करते रहते हैं. जिसमें उनकी मदद करता है विटामिन बी12. यह विटामिन आरबीसी और डीएनए निर्माण में मदद करता है। दिमाग और नर्व सेल्स के कामकाज और ग्रोथ में भी सहायक होता है। इसकी कमी से शरीर में एनर्जी नहीं बचती है और ताकत खत्म सी होने लगती है।

कमजोरी होने लगती है महसूस

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, पीली स्किन, सिरदर्द, डिप्रेशन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम्स, दिमाग काम न करना, जीभ-मुंह में सूजन, हाथ-पैर पर चींटी चलना, मसल्स क्रैम्प और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इस विटामिन की कमी को पूरा करने के लिए

विटामिन बी12 बूस्टर जूस

चुकंदर का जूस : चुकंदर में कई ताकतवर तत्व पाए जाते हैं। इसमें विटामिन, खनिज, कैल्शियम भरपूर पाए जाते हैं। इसे विटामिन बी12 का पावरहाउस माना जाता है। शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाने, एनीमिया दूर करने और ब्लड प्रेशर कम करने में चुकंदर का जूस फायदेमंद होता है।

पालक का जूस : पालक हरी पत्तेदार सब्जियों में सबसे पौष्टिक होता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी12 पाया जाता है। इसके अलावा आयरन, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, फोलेट और पोटैशियम का भी सोर्स होता है। पालक का जूस या सूप विटामिन बी12 की कमी को पूरा कर सकता है।

गाजर का जूस : गाजर का जूस बेहद फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन बी12 खूब पाया जाता है। कई विटामिन और मिनरल से भरपूर यह जूस सेहत के लिए टॉनिक से कम नहीं होता है।

खीरे का जूस : गर्मियों में खीरे का सेवन फायदेमंद माना जाता है। इसका जूस भी बेहद फायदेमंद होता है। खीरे का जूस विटामिन ए, विटामिन के, फाइबर और प्रोटीन के अलावा विटामिन बी12 की कमी को पूरा करता है।

ऑरेंज जूस : संतरे के जूस में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और फाइबर पाया जाता है। यह कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करता है। विटामिन बी12 की कमी दूर करने के लिए भी इसे पीना फायदेमंद होता है।

ऐपल जूस : सेब विटामिन बी12 का जबरदस्त सोर्स माना जाता है। ऐपल जूस का रेगुलर सेवन करने से शरीर में विटामिन बी12 की कमी दूर हो जाती है। सेब में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनोइड्स भी खूब मिलता है।

अनानास का जूस : अनानास सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा मिलती है। अनानास या पाइनएपल जूस में कैल्शियम, मिनरल, मैंग्नीज, एंटी-इंफ्लेमेटरी, फाइबर और विटामिन सी के अलावा विटामिन बी12 पाया जाता है। जो इम्यूनिटी बढ़ाने और पाचन को मजबूत बनाने में मददगार हो सकता है।

अनार का जूस : अनार का जूस विटामिन बी12 और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। अनार को सलाद में डालकर भी खा सकते हैं। एक गिलास अनार का जूस ही शरीर को एनर्जी से भर देता है।

पपीता का जूस : पपीते के जूस में एंटी-ऑक्सीडेंट, बीटा-कैरोटीन, विटामिन सी, विटामिन डी, विटामिन बी-12 और फ्लेवोनोइड्स भरपूर पाया जाता है। इसके सेवन से शरीर की ताकत बढ़ती है।

गेहूं के ज्वारे का जूस : गेहूं के ज्वारे का जूस भी विटामिन बी12 की कमी पूरी करने में बेहद फायदेमंद है। इससे शरीर को कई और फायदे मिलते हैं।

आप भी कॉकरोच से हैं परेशान तो उन्हें भगाने के लिए जरूर अपनाएं ये टिप्स

घर में कॉकरोच होना बेहद परेशानी वाली बात है। इससे अधिकतर लोग परेशान रहते हैं। घर में ज्यादा कॉकरोच होने की वजह से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कॉकरोच की वजह से पूरे घर में गंदगी फैलने लगती है। आपके घर में भी लगातार कॉकरोच का खतरा बढ़ता जा रहा है और अब आप इससे छुटकारा पाना चाहते हैं, तो कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे हैं। जिसकी मदद से आप कॉकरोच से छुटकारा पा सकते हैं।

नमक का करें इस्तेमाल

कॉकरोच को भगाने के लिए आप नमक का इस्तेमाल कर सकते हैं। नमक कॉकरोच के शरीर से पानी को सोख लेता है और उसे मार देता है, इसलिए आप जिस जगह से ज्यादा कॉकरोच निकलते हैं, उस जगह पर नमक बिखेर सकते हैं।

इन चीजों का रखें ध्यान

इसके अलावा अगर आप कॉकरोच से बचना चाहते हैं, तो अपने घर को अच्छे तरीके से साफ रखें, रोजाना बर्तन धोए, फर्श को रोजाना साफ करें और कूड़ेदान को रोज खाली जरूर करें। आपके घर में जहां पर भी दरारें हैं। उन छेदों को भर दें पानी की टंकियां को हमेशा साफ रखें। इन सभी चीजों को ध्यान में रखकर आप आसानी से कॉकरोच से छुटकारा पा सकते हैं।

लौंग और नींबू का इस्तेमाल

लौंग और नींबू की तेज गंध कॉकरोच को पसंद नहीं होती है। आप लौंग और नींबू के टुकड़े को घर के कोनों में रख सकते हैं। इससे कॉकरोच आपके घर में नहीं आएंगे। यही नहीं आप जिस जगह से कॉकरोच ज्यादा आते हैं, वहां पर नीबू पत्ती रख सकते हैं। इसकी तेज गंध की वजह से कॉकरोच घर से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए आप इन पत्ती का इस्तेमाल कर कॉकरोच से छुटकारा पा सकते हैं।

बाजार से खरीदें कीटनाशक

इन सभी घरेलू उपाय के अलावा आप बाजार से कीटनाशक खरीद कर ला सकते हैं। इसका इस्तेमाल करने से पहले आपको इस पर लिखे सभी निर्देशों को पढ़ना चाहिए। अगर आप ज्यादा परेशानियों का सामना कर रहे हैं, तो पेशेवर कीटनाशक नियंत्रक की मदद जरूर लें।

ज्यादा टाइट ब्रा पहनने से पड़ता है हेल्थ पर बुरा असर, हो सकती हैं कई गंभीर बीमारियां

कई बार खुद को ज्यादा फिट और आकर्षक दिखाने के चक्कर में महिलाएं टाइट और छोटे कप की ब्रा पहनती हैं इससे उन्हें न केवल अनकंफर्टेबल महसूस होता है बल्कि कई समस्याएं भी हो जाती हैं। टाइट ब्रा पहनने वाली महिलाओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो ज्यादा टाइट ब्रा पहनने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित, सांस लेने में दिक्कत : ज्यादा टाइट ब्रा पहनने से आपके चेस्ट पर दबाव पड़ता है। इससे आपकी सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। चेस्ट का दबाव बढ़ने से फेफड़ों पर भी बुरा असर पड़ सकता है, जिससे आपको सही तरीके से सांस लेने में परेशानी हो सकती है। अगर ब्रा बहुत टाइट हो, तो खून का प्रवाह भी प्रभावित होता है, जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में खून सही से नहीं पहुंच पाता। इससे थकान और दर्द की समस्या हो सकती है। इसलिए, हमेशा सही साइज की और आरामदायक ब्रा पहनें ताकि आपकी हेल्थ अच्छी रहे।

त्वचा में जलन

टाइट ब्रा पहनने से त्वचा में रगड़ पैदा होती है, जिससे जलन और खुजली हो सकती है। अगर आप ज्यादा समय तक टाइट ब्रा पहनती हैं, तो यह समस्या और बढ़ सकती है। इसलिए, हमेशा सही साइज की और आरामदायक ब्रा चुनें ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित और आरामदायक रहे।

स्तन कैंसर का खतरा

कुछ अध्ययनों के अनुसार, लगातार टाइट ब्रा पहनने से स्तन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि इस विषय पर और रिसर्च की जरूरत है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। इसलिए, हमेशा सही साइज की और आरामदायक ब्रा पहनें ताकि हेल्थ से जुड़ी किसी भी समस्या से बचा जा सके।

एक्सपर्ट की सलाह

सही साइज की ब्रा पहनें।

ब्रा खरीदते समय फिटिंग पर ध्यान दें, लेकिन यह बहुत टाइट नहीं होनी चाहिए।

आरामदायक ब्रा चुनें, जिससे आपका मूवमेंट आसान हो सके।

अगर आपको किसी भी प्रकार की असुविधा महसूस हो रही है, तो ब्रा का साइज बदलें।

समय-समय पर ब्रा की फिटिंग चेक करें। हेल्थ का ख्याल रखना सबसे जरूरी है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सुपरहीरो फिल्मों की भूमिकाएं ठुकरा चुके हैं जोश हार्टनेट

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड अभिनेता जोश हार्टनेट ने हाल ही में खुलासा किया है कि वो दो बार सुपरहीरो फिल्मों में भूमिकाएं ठुकरा चुके हैं। वह एम नाइट श्यामलन की आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सुपरहीरो फिल्मों में भूमिकाएं ठुकराने के पीछे की वजह का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जो लाइमलाइट मिल रही थी, उसकी वजह से ही उन्होंने अपनी लोकप्रियता के चरम पर हॉलीवुड से दूर जाने का फैसला किया था। जोश हार्टनेट ने एक बातचीत के दौरान बताया, 'उस समय लोगों का मुझ पर ध्यान देना ठीक नहीं था। कुछ घटनाएं हुईं, लोग मेरे घर पर आए। कुछ लोग मेरा पीछा कर रहे थे।' उन्होंने आगे कहा, 'एक आदमी मेरे प्रीमियर में बंदूक लेकर आ गया था और उसने दावा किया कि वह मेरा पिता है। हालांकि वह फिर जेल में चला गया। बहुत सी चीजें थीं। यह एक अजीब समय था।' उन्होंने खुलासा किया कि सुपरमैन फिल्मों की भूमिका को दो बार ठुकराने के अलावा उन्होंने निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन के साथ बैटमैन के बारे में भी बातचीत की थी। बाद में इसे क्रिश्चियन बेल ने निभाया था। जोश हार्टनेट ने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि मेरा जीवन मेरे काम में डूब जाए। उस समय एक धारणा थी कि आप बस सब कुछ छोड़ देते हैं। आपने देखा कि उस समय कुछ लोगों के साथ क्या हुआ। वे इसके कारण मिट गए। मैं अपने लिए ऐसा नहीं चाहता था।'

टॉलीवुड

कमल हासन ने शुरू की 'ठग लाइफ' की डबिंग

मुंबई। कमल हासन की दो-दो फिल्में सिनेमाघरों में लगी हुई है। एक है- 'कल्कि 2898 एडी' और दूसरी है- 'इंडियन 2'। पहली टिकट खिड़की पर शानदार कमाई कर रही है और दूसरे को दर्शकों की आलोचना का सामना करना पड़ा रहा है और इस फिल्म में ही कमल हासन ने अहम भूमिका निभाई है। इसी बीच, अब उनकी नई फिल्म 'ठग लाइफ' को लेकर एक जानकारी सामने आई है। 'ठग लाइफ' की डबिंग शुरू हो चुकी है। यह जानकारी खुद फिल्म निर्माताओं द्वारा दी गई है। इस जानकारी को साझा करने के लिए निर्माताओं ने एक खास वीडियो बनवाया था। इस वीडियो के साथ अलग ही अंदाज में बताया गया कि कमल हासन ने 'ठग लाइफ' की शूटिंग शुरू कर दी है। कमल हासन को स्टूडियो में बैठकर डबिंग करते हुए देखा जा सकता है। 'ठग लाइफ' का निर्देशन मणिरत्नम ने किया है। खास बात यह है कि लगभग 37 साल के लंबे वक्त के बाद कमल और मणिरत्नम साथ में काम कर रहे हैं। दोनों ने साल 1987 में आई फिल्म 'नायकन' में काम किया था। हालांकि, 2023 में 'पीएसः 2' में कमल हासन ने नैरेटर के तौर पर काम किया था। इसका निर्माण कमल हासन, मणिरत्नम, शिवा अनंत और आर महेंद्रन द्वारा किया गया है। फिल्म के संगीत को मशहूर संगीतकार ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। उनके बनाए संगीत पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। फिल्म की रिलीज की तारीख को लेकर फिलहाल आधिकारिक एलान बाकी है।

भोजपुरी

चौपाल ओटीटी पर जल्द रिलीज होगी भोजपुरी वेब सीरीज 'छलांग'

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जल्द ही लालबाबू पंडित की मच अवेटेड वेब सीरीज 'छलांग' रिलीज होने वाली है। यह चौपाल ओटीटी पर रिलीज होगी, जो भोजपुरी का पहला ओटीटी प्लेटफार्म है। इस वेब सीरीज को सुरुचि फिल्म्स एंड स्टूडियो के बैनर तले प्रस्तुत किया जा रहा है। वेब सीरीज का निर्देशन और निर्माण लालबाबू पंडित ने किया है, जबकि इसके डीओपी की जिम्मेदारी साहिल जे. अंसारी ने निभाई है। वेब सीरीज का निर्देशन भी लाल बाबू पंडित ने खुद किया है। निर्देशक लालबाबू पंडित का कहना है, 'यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बेहद खास है। हमने इस वेब सीरीज में एक अनोखी और दिलचस्प कहानी पेश करने की कोशिश की है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। इस सीरीज में शानदार कलाकारों ने अपने अभिनय से चार चांद लगाए हैं. मैं उम्मीद करता हूं कि दर्शकों को 'छलांग' पसंद आएगी और वे इसे दिल से सराहेंगे।' सीरीज की कहानी को राकेश त्रिपाठी ने लिखा है और इसमें अमित शुक्ला, बिनोद मिश्रा, अयाज खान, माही खान, देव सिंह, संजय वर्मा, सोनू पांडे, राम सुजान सिंह, धमा वर्मा, सूर्य द्विवेदी और उत्तम मिश्रा जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है. इस सीरीज में म्यूजिक कृष्णा बेदर्दी ने दिया है।

पेस्टल साड़ियों का बढ़ रहा क्रेज़

इन दिनों पेस्टल कलर की साड़ियां महिलाओं को काफी पसंद आ रही हैं। पेस्टल कलर एक ऐसा ट्रेंड है, जो देर तक फैशन सीन में बना रहता है। पेस्टल साड़ियों को आप पार्टी में ही नहीं बल्कि शादी या पूजन में भी पहन सकती हैं। पेस्टल साड़ियों की सबसे खास बात है इनका वर्सेटाइल होना। पेस्टल साड़ियों को सिल्क, मैटेलिक, फ्लोरल प्रिंट, एंब्रॉयडरी जैसी किसी भी स्टाइल में आप कैरी कर सकती हैं। आप इन पेस्टल साड़ियों को ट्राई कर सकती हैं। ऐसी साड़ियां आसानी से मार्केट में मिल जाएगी।

जानें लेजर हेयर रिमूवल कराने का सही वक्त नहीं तो हो सकता है स्किन को नुकसान

अधिकतर लोग बालों को रिमूव करने के लिए वैक्सीन और शेविंग का इस्तेमाल करते हैं। इनमें खासकर महिलाएं हर महीने बालों को रिमूव करने के लिए वैक्स का इस्तेमाल करती हैं लेकिन क्या आप जानती हैं, लेजर ट्रीटमेंट की मदद से भी आप आसानी से हेयर रिमूव कर सकती हैं। ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें लेजर हेयर ट्रीटमेंट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। ऐसे में लोग कई गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उन्हें बाद में पछतावा होने लगता है। आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताएंगे। आइए जानते हैं उन जरूरी बातों के बारे में।

लेजर हेयर ट्रीटमेंट : शरीर पर अनचाहे बालों को हटाने के लिए लेजर हेयर रिमूवल टेक्निक काफी उपयोगी मानी गई है। यह बाकी तरीकों से बहुत सरल तकनीक है। यही नहीं यह तकनीक बाकी तकनीक के मुताबिक कम दर्द वाली होती है। अगर आपकी त्वचा गोरी है, तो ये आपके लिए काफी उपयोगी माना गया है। इस तकनीक से अगर आप हेयर रिमूव कराती हैं, तो इससे

आपकी स्किन को कम नुकसान होगा।

प्रेगनेंसी में न कराएं लेजर हेयर रिमूवल : जानकारी नहीं होने की वजह से अवसर प्रेग्नेंट महिलाएं भी लेजर हेयर ट्रीटमेंट करने पहुंच जाती है लेकिन प्रेगनेंसी के वक्त ऐसा नहीं करना चाहिए, इससे बच्चों को खतरा रहता है। इसलिए लेजर हेयर ट्रीटमेंट करने से पहले प्रेग्नेंट महिलाएं डॉक्टर की सलाह जरूर लें। इस ट्रीटमेंट के बाद बालों की ग्रोथ लंबे समय तक नहीं आती है, हेयर रिमूवल के लिए करीब 6 ट्रीटमेंट लेने होते हैं, जब जाकर यह पूरे तरीके से काम करता है।

स्किन कैंसर वाले बचें

जब भी आप हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट करने जाए, तो ध्यान रहे की टैटू वाले एरिया पर लेजर हेयर ट्रीटमेंट भूल कर भी ना करवाएं, इससे स्कीम जलने का खतरा बना रहता है, जिन्हें स्किन कैंसर का खतरा है, उन्हें भी लेजर हेयर ट्रीटमेंट से बचना चाहिए। इसके अलावा अगर आप एक्ने ट्रीटमेंट के लिए दवाइयों का सेवन करती हैं, तो भी लेजर ट्रीटमेंट ना करें।

सेंसेटिव स्किन वाले बचें

हर व्यक्ति की स्किन अलग-अलग होती है, ऐसे में कुछ लोगों को लेजर हेयर रिमूवर तकनीक सूट कर जाती है, तो वहीं कुछ लोगों को इससे रिएक्शन भी हो सकता है। लेजर हेयर रिमूवल के बाद कुछ लोगों की त्वचा पर पपड़ी आने की समस्या होती है। कई बार तो लोगों की स्किन के रंग में बदलाव भी दिखने लगता है। इसलिए जिन लोगों की सेंसेटिव स्किन है, उन्हें लेजर हेयर रिमूवल से बचना चाहिए।

फेयरवेल पर ट्राई करें परिणीति का साड़ी वाला लुक, खूबसूरती में लगा देगा चार चांद

भारत के पारंपरिक पहनावे साड़ी में हर महिला काफी खूबसूरत लगती है लेकिन बात अगर उनके बेहतरीन तरीके से पहनी गई साड़ी वाले लुक की हो, तो इसमें महिलाएं कमाल की नजर आती है। अगर आप भी बॉलीवुड एक्ट्रेस की तरह खूबसूरत दिखना चाहती है, तो उनके कुछ खास आउटफिट ट्राई कर सकती हैं जिससे आप बेहद खूबसूरत दिखेंगी।

परिणीति चोपड़ा की साड़ी : परिणीति ने जो इस साड़ी का कलर और डिजाइन सेलेक्ट किया है। ऐसा आपको और कहीं देखने को नहीं मिलेगा। यानी इस साड़ी को पहनकर आप इतनी लाजवाब लगेंगी की हर कोई आपकी तारीफ करने लगेगा। ऐसी ही साड़ी पाने के लिए आप कपड़ा खरीद कर किसी टेलर से ऐसी साड़ी बनवा सकती है।

डिजाइन वाला ब्लाउज करें कैरी : इसके लिए आपको ब्लैक और वाइट दो कपड़े की जरूरत लगेगी। आप अगर चाहे तो किसी बड़ी शॉप पर इस साड़ी का ऑर्डर दे सकती है। इस साड़ी के साथ आप एल्बो स्लीव पफ डिजाइन वाला ब्लाउज जिस पर एंब्रॉयडरी किए हुए फ्लावर बने हो खरीद सकती हैं या फिर बनवा सकती हैं।

रेडीमेड स्ट्रेचेबल फुल स्लीव ब्लाउज : इस साड़ी के साथ आपको व्हाइट कलर का ब्लाउज सेलेक्ट करना है। वैसे तो यह वाइट और ब्लैक कलर की साड़ी पूरी प्लेन है, लेकिन इसकी बॉर्डर पर बने फ्लावर्स आपके लुक में चार चांद लगा देंगे। आप रेडीमेड स्ट्रेचेबल फुल स्लीव का ब्लाउज भी खरीद सकती हैं।

रेड फ्लावर वाला वर्क : आप अगर चाहे तो बाजार से प्लेन ब्लैक और हाफ व्हाइट कलर की साड़ी लेकर उस पर रेड फ्लावर वाला वर्क करवा सकती हैं। आप अपने ब्लाउज की स्लीव्स पर भी यह फ्लावर वाला वर्क करवा सकती है। यह भी आपके ऊपर काफी खूबसूरत लगेगा।

सिल्वर कलर की फिंगर रिंग : आप इस साड़ी के साथ लाइट और सटल मेकअप भी कर सकती हैं। इसके अलावा कानों में पहनने के लिए ब्लैक कलर के छोटे टॉप्स कैरी कर सकती हैं। आप अगर चाहे तो वाइट कलर के स्टोन वाले टॉप्स भी पहन सकती हैं। इस साड़ी के साथ ओपन हेयर स्टाइल आपके ऊपर काफी अच्छी लगेगी। आप अपने नेल्स पर व्हाइट कलर की नेल पेंट लगा सकती हैं और उंगलियों में सिल्वर कलर की फिंगर रिंग पहन सकती है। यकीन मानिए आप इसमें काफी खूबसूरत लगेंगी।

प्रोफेशनल डिजाइनर से बनवाएं : बता दें कि परिणीति ने यह साड़ी कपिल शर्मा शो में पहनी थी। इस साड़ी को आप किसी इवेंट में पहन सकती हैं या फिर कॉलेज के फेयरवेल फंक्शन में भी यह साड़ी कैरी कर सकती हैं। यह साड़ी दो कलर में डिवाइड है, आधा ब्लैक और आधा वाइट। आप ऐसे ही साड़ी किसी प्रोफेशनल डिजाइनर से तैयार करवा सकती हैं।

ऑफिस में रोज पहनने के लिए लड़कियां ट्राई करें ये खास डिजाइन के कुर्ती पैंट

अधिकतर लड़कियां ऑफिस जाने से पहले कपड़े को लेकर काफी परेशान रहती हैं। अगर आप भी कपड़ों को लेकर काफी कन्फ्यूज रहती हैं, तो आप ये आउटफिट्स ट्राई कर सकते हैं। ऑफिस पहनकर जाने के लिए आप ये कुर्ता पैंट सेट ट्राई कर सकती हैं, इसमें आप बहुत खूबसूरत लगेगी। आप ये कॉटन का ब्लू प्रिंटेड कुर्ता और पेंट ऑफिस पहनकर जा सकती है, यह आप पर बिल्कुल प्रोफेशनल लगेगा। अगर आपके ऑफिस में कोई पूजा या फंक्शन है, तो आप वाइट फ्लोरल कुर्ता पैंट पहनकर जा सकती है। अगर आप सिंपल दिखाना चाहती है, तो यह प्लेन ब्लू कुर्ता पैंट सेट पहन सकती है। इसके अलावा आप ये व्हाइट कुर्ता पेंट भी वेयर कर सकती हैं, इसके साथ आप पिंक कलर का दुपट्टा मैच करें।

महिलाओं के पास होनी चाहिए ये इन तरह की स्कर्ट, सुंदरता के साथ मिलेगा आराम

फैशन की लगातार बदलती दुनिया में स्कर्ट हमेशा से महिलाओं के पहनावे का अहम हिस्सा रही हैं। यह एक बहुमुखी कपड़ा है, जिसे कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। इस साल के गर्मियों और बसंत के मौसम के फैशन में भी स्कर्ट पहनने के चलन ने जोरदार वापसी की है। अगर आप फैशन रुझानों को अपनाते हुए सबसे खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो अपनी अलमारी में ये 5 तरह की स्कर्ट आज ही शामिल करें।

ए लाइन स्कर्ट : ए लाइन स्कर्ट एक ऐसी स्कर्ट होती है, जो हर आउटफिट के साथ जचती है। इस स्कर्ट की लंबाई घुटनों तक होती है और यह कमर को पतला दिखाती है। आप इस स्कर्ट को पिकनिक,

ऑफिस जाते समय या सेमी-फॉर्मल लुक पाने के लिए पहन सकती हैं। कमर को निखारने के लिए एक सुंदर ब्लाउज पहनें या एक फिट टॉप पहनें और उसे स्कर्ट में टक कर लें।

आराम व स्टाइल के लिए मैक्सी स्कर्ट : मैक्सी स्कर्ट आराम और स्टाइल दोनों को दर्शाती हैं। यह स्कर्ट भारत की गर्मी में पहनने के लिए बिल्कुल सही है और यह बेहद हवादार भी होती है। आप त्योहार, समुद्र तट पर सैर करने, दोस्तों के साथ घूमने-फिरने या औपचारिक समारोहों में मैक्सी स्कर्ट को पहन सकती हैं।

पारंपरिक अवसरों पर लहंगा स्कर्ट : हर भारतीय महिला को विशेष पारंपरिक अवसरों के लिए लहंगा स्कर्ट की जरूरत पड़ती ही है। इन स्कर्ट्स को बनाने के लिए सिल्क, बनारसी सिल्क आदि जैसे शाही और पारंपरिक फैब्रिक का इस्तेमाल किया जाता है। आप लहंगा स्कर्ट को शादियों, त्योहारों, पूजा या किसी भी सांस्कृतिक समारोह में पहनकर सबसे शानदार दिख सकती हैं।

कार्नर न्यूज

मध्यम रंगत वाले लोग पीले और नीले कपड़े पहन सकते हैं

सावन में अपनी त्वचा के रंग के हिसाब से करें हरे कलर के कपड़ों का चुनाव

सावन का पावन महीना चल रहा है, जो भगवान शिव और माता पारवती को समर्पित होता है। इस त्योहार में हरे रंग का खास महत्त्व माना जाता है। भक्त व्रत और पूजा करते समय इस रंग के कपड़े पहनते हैं। हालांकि, अपनी त्वचा के रंग के मुताबिक हरे रंग के कपड़ों का चुनाव करना आपको खूबसूरत दिखने में मदद कर सकता है। आज के फैशन टिप्स में जानें अपनी त्वचा की रंगत के अनुसार हरे कपड़े चुनने का तरीका।

सावन में क्यों पहने जाते हैं हरे कपड़े?

सावन के दौरान हरे रंग के कपड़े पहनने का रिवाज होता है। हरा रंग हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति, बुद्धिमत्ता और स्थिरता लाता है। इस महीने में हरा रंग पहनकर आप भगवान शिव की कृपा प्राप्त कर सकते हैं और उन्हें प्रसन्न कर सकते हैं। ऐसी भी मान्यता है कि भगवान शिव को हरा रंग बेहद प्रिय होता है। साथ ही सावन आते ही पेड़-पौधे हरे हो जाते हैं, इसके कारण यह रंग मानसून को भी दर्शाता है।

कैसे पहचानें अपनी त्वचा का अंडरटोन

अपनी त्वचा के रंग के मुताबिक सही हरा रंग चुनने के लिए सबसे जरूरी है त्वचा के अंडरटोन को समझना। आप अपनी हाथों की नसों की मदद से अंडरटोन का पता लगा सकते हैं। अगर आपकी नसें बैंगनी या नीले रंग की हैं, तो आपका अंडरटोन कूल यानि गोरा है। वहीं, अगर आपकी नसें हरे रंग की हैं, तो आपका अंडरटोन गर्म यानि सांवला है। कई लोगों की नसों का रंग मिश्रित होता है, जो मध्यम अंडरटोन को दर्शाता है।

सांवली त्वचा वाले चुनें ऐसे हरे कपड़े

सांवली त्वचा वाले लोगों को हरे रंग के उन टोन्स का चुनाव करना चाहिए, जिनमें पीला अंडरटोन मौजूद हो। इस तरह के हरे रंगों में पीले रंग का स्पर्श शामिल होता है। सांवली त्वचा वाले लोग सावन में पूजा करते समय जैतूनी हरा, नींबू वाला हरा या चार्ट्रेज रंग के कपड़े पहन सकते हैं।

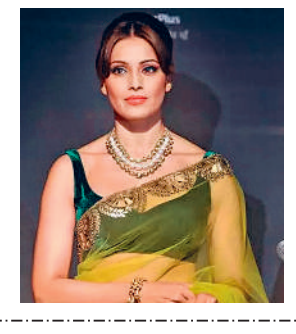

गोरी त्वचा वाले चटक रंगों से परहेज करें

गोरी रंग वाले लोगों को नियोन हरे जैसे चटक रंगों से परहेज करना चाहिए। गोरी त्वचा की रंगत वाले लोगों को हरे रंग के ऐसे कपड़े पहनने चाहिए, जिनमें नीला अंडरटोन शामिल हो। ऐसे हरे रंगों में नीले या बैंगनी रंग के टोन मौजूद होते हैं। गोरे लोगों को टिफनी नीला, जंगल वाला हरा और टील जैसे हरे रंगों के कपड़े चुनने चाहिए। ये रंग आपकी त्वचा को कॉम्प्लीमेंट करेंगे और आपकी रंगत को निखारेंगे।

मध्यम त्वचा पर हर रंग जमेगा

भारत के ज्यादातर लोगों की त्वचा की रंगत मध्यम होती है, जिसका अंडरटोन भी मध्यम होता है। इस तरह की रंगत वाले लोगों को हरे रंग के कपड़े चुनने से पहले ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ती है। मध्यम रंगत वाले लोग पीले और नीले, दोनों अंडरटोन वाले हरे रंग के कपड़े पहन सकते हैं। ऐसी रंगत वाले लोग सेज हरे और केलि हरे जैसे रंग के कपड़े चुन सकते हैं।